Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 39
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
सोमवार,08 सितम्बर 2025

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

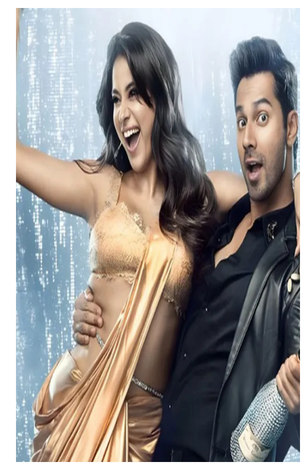

3 भाइजपाइयों को जमीन कब्जों से मिले फुर्सत, तभी लेंगे 4 पेयजल की कमी से मचेगा हाहाकार 5 मनीष पॉल ने सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के

सीएम ने अनुदेशकों को सौंपे नियुक्ति पत्र

योग्यता व क्षमता के आधार पर नौकरी देना हमारी प्राथमिकता : सीएम

● लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इसके लिए लोक भवन में समारोह का आयोजन किया गया। हाल ही में हुई भर्ती में 1510 अनुदेशकों का चयन हुआ है।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को लोक भवन में अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यावसायिक शिक्षा से विभिन्न व्यवसायों के चयनित 1510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इनका चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कराई गई भर्ती में हुआ है। हाल में इसका परिणाम घोषित किया गया है। अब सीएम ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा है। इस मौके पर व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल, कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव हरिओम सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मिशन रोजगार के संकल्प को पूरा करने के लिए आठ वर्षों में 8.5 लाख सरकारी नौकरियां दी गईं। सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी अभ्यर्थी के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो। उसका किसी भी स्तर पर शोषण न हो। योग्यता और क्षमता के आधार पर युवाओं को सरकारी नौकरी मिले। इसी सख्ती का परिणाम है कि आज भर्तियों में पारदर्शिता के साथ चयन हो रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था में नंबर एक पर था यूपी- सीएम सीएम ने आगे कहा कि 400 साल पहले की बात करें तो यूपी देश का सबसे समृद्ध राज्य था। लेकिन, व्यापक रूप से लूटपाट, शोषण और अराजकता थी। विदेशी आक्रांताओं ने हमले किए। अंग्रेजों ने भी लूटपाट की। इसके बावजूद, जब 1947 में देश को आजादी मिली, तो उत्तर प्रदेश भारत की अर्थव्यवस्था में नंबर एक था। 1960 के बाद गिरावट शुरू हुई। 2016 तक प्रदेश का योगदान घटकर सिर्फ 8 फीसदी रह गया। जब नीतियां स्वार्थ, वोट बैंक की चिंता और पारिवारिक हितों की रक्षा को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, तो वे बबार्दी की ओर ले जाती हैं। जैसा कि उन लोगों ने उत्तर प्रदेश को पहुंचाया। इस अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यह अवसर न केवल चयनित अभ्यर्थियों के जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करेगा। बल्कि, प्रदेश सरकार के इस संकल्प का भी प्रमाण है कि योग्यता के आधार पर पारदर्शिता के साथ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कुल 1851 चयनित अनुदेशक विभाग को प्राप्त होंगे मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश के 286 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 92 व्यवसाय संचालित हैं। इनमें 1,84,280 सीटें उपलब्ध हैं। इन संस्थानों में 7768 अनुदेशक के पद स्वीकृत हैं। इनमें से 6577 नियमित और 1191 आउटसोर्सिंग के हैं। वर्ष 2022 में रिक्त 2406 पदों पर भर्ती प्रक्रिया अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से प्रारम्भ की गई थी। इसके तहत 1510 अनुदेशकों का चयन हुआ है। शेष 341 पदों का परिणाम भी शीघ्र घोषित होने की संभावना है। इस प्रकार कुल 1851 चयनित अनुदेशक विभाग को प्राप्त होंगे। आठ वर्षों में 60 से अधिक नए राजकीय आईटीआई स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में 324 राजकीय आईटीआई के माध्यम से 82 ट्रेड में लगभग 1.84 लाख युवा प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसके लिए मासिक फीस मात्र 40 रुपए निर्धारित की गई है। साथ ही प्रदेश के लगभग 3000 निजी आईटीआई में छह लाख सीटों पर प्रशिक्षण उपलब्ध है। 4.13 लाख से अधिक युवाओं को कंपनियों में नौकरी का अवसर मिला सरकार ने राजकीय आईटीआई के लिए प्रधानाचार्यों के 150 से अधिक और प्रशिक्षकों के 1510 रिक्त पदों पर नियुक्ति की है। इसके अतिरिक्त 900 से अधिक पद आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरे गए हैं। भविष्य की तकनीकों जैसे सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक व्हीकल, लेजर कटिंग, सीएनसी, थ्री डी प्रिंटिंग, डिजिटल कम्युनिकेशन आदि में युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए आईटीआई का उन्नयन किया जा रहा है। रोजगार मेलों के माध्यम से भी प्रदेश में 1736 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इनमें 4.13 लाख से अधिक युवाओं को 2537 कंपनियों में नौकरी का अवसर मिला है।

9 सितंबर को पंजाब और हिमाचल प्रदेश बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को पंजाब और हिमाचल प्रदेश का दौरा कर सकते हैं। भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ के कारण दोनों राज्य इस बार मानसून में बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। पीएम मोदी इन राज्यों में जमीनी हालात का जायजा लेने पहुंच सकते हैं। भाजपा पंजाब ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को पंजाब के गुरदासपुर आ रहे हैं। वे बाढ़ प्रभावित भाई-बहनों और किसानों से सीधे मिलकर अपना दुख साझा करेंगे और पीड़ितों की मदद के लिए हरसंभव कदम उठाएंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा साबित करता है कि केंद्र की भाजपा सरकार हमेशा पंजाब के लोगों के साथ खड़ी है और इस कठिन समय में पूरा सहयोग करेगी। इसी तरह भाजपा की हिमाचल प्रदेश इकाई ने एक पोस्ट में लिखा, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आपदा पीड़ितों के साथ कंधे से कंधा मिलाने जल्द ही हिमाचल प्रदेश आ सकते हैं। इससे पहले, 4 सितंबर को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब का दौरा किया। पंजाब में बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए अमृतसर में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में अहम बैठक हुई, जिसमें राहत सामग्री की आपूर्ति, प्रभावित इलाकों में त्वरित बचाव कार्य और पुनर्वास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बता दें कि पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में से एक है। नदियां उफान पर हैं, जिससे हर जगह सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है। स्थिति यह है कि पंजाब के सभी 23 जिले बाढ़ प्रभावित घोषित किए जा चुके हैं। सैकड़ों गांव जलमग्न हैं। कम से कम 43 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लाखों हेक्टेयर जमीन पर लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। हिमाचल प्रदेश में भी इस बार भारी तबाही मची है। 20 जून को मानसून की शुरूआत के बाद से प्रदेश में जगह-जगह अचानक बाढ़, बादल फटने और बड़े भूस्खलन की सैकड़ों घटनाएं हुई हैं। इससे घर-मकानों के नष्ट होने के अलावा बड़ी संख्या में जनहानि भी हुई है। हिमाचल प्रदेश में मंडी, शिमला, कुल्लू और चंबा जिलों के प्रमुख मार्गों समेत तमाम सड़कें अवरुद्ध हैं।

केरल के मुख्यमंत्री ने विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ आगाह किया

केरल। मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर अपने पोस्ट में गुरु को महान सुधारक के रूप में याद किया, जिन्होंने लोगों को ज्ञान के माध्यम से एकजुट होने और शिक्षित होने तथा जाति-धर्म से ऊपर उठने का संदेश दिया। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने रविवार को आगाह किया कि कुछ स्वार्थी लोग समाज में सांप्रदायिक भावना फैलाकर फूट डालने की जानबूझकर कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट में कहा, कुछ लोग यह प्रचार करते हैं कि जाति मानवता से बड़ी है और केरल जैसे राज्य में भी ऐसे विचार जोर पकड़ रहे हैं, जबकि इस राज्य ने एक समय धर्म और जाति के कारण फैले अंधविश्वास एवं कुप्रथाओं को जड़ से खत्म कर दिया था। विजयन ने यह बात 20वीं सदी के संत और समाज सुधारक श्री नारायण गुरु की 171वीं जयंती पर उन्हें याद करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर अपने पोस्ट में गुरु को महान सुधारक के रूप में याद किया, जिन्होंने लोगों को ज्ञान के माध्यम से एकजुट होने और शिक्षित होने तथा जाति-धर्म से ऊपर उठने का संदेश दिया। विजयन ने कहा कि हालांकि आजकल सांप्रदायिक ताकतें नारायण गुरु की विरासत को अपने नाम करने की कोशिश कर रही हैं। वामपंथी नेता ने गुरु को ऐसे सुधारक के रूप में याद किया, जिन्होंने उच्च जाति के वर्चस्व और सामाजिक बुराइयों पर खुलकर सवाल उठाए और जाति के आधार पर होने वाले अत्याचारों तथा आर्थिक शोषण के खिलाफ दृढ़ता से विरोध किया।

सीएम नीतीश ने सिवान को दी बड़ी सौगात, 558 करोड़ की 9 विकासात्मक योजनाओं का किया शिलान्यास

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सिवान जिला के नारायणपुर मोड़, पचरुखी में आयोजित कार्यक्रम स्थल से 558 करोड़ 35 लाख रुपये लागत की 9 विकासात्मक योजनाओं का शिलान्यास एवं कायारंभ किया। इसके अंतर्गत 222 करोड़ 1 लाख रुपये की लागत से केवी ग्रिड, उपकेन्द्र मैरवा एवं सम्बद्ध लाईन बे का निर्माण, 120 करोड़ 48 लाख रुपये की लागत से पचरुखी बाईपास मोहम्मदपुर मोड़ (एन० एच०-531) से छपिया-टेढ़ी घाट-गोपालपुर (एनएच-227) पथ का चौड़ीकरण, 92 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से राज्य उच्च पथ स० 89 (बबुनिया सिसवन रोड) पर सिवान यार्ड (सिवान रेलवे स्टेशन से पचरुखी रेलवे स्टेशन के बीच अवस्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या-91 एसपीएल पर रेल ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शामिल है। साथ ही मुख्यमंत्री ने 67 करोड़ 47 लाख रुपये की लागत से सिवान आंदर पथ का चौड़ीकरण, 18 करोड़ 26 लाख रुपये की लागत से भण्टापोखर जीरादेई पथ का भाया जामापुर बाजार तक चौड़ीकरण, 10 करोड़ 12 लाख रुपये की लागत से सोनकारा, आन्दर में 3311 के०वी० विद्युत शक्ति उपकेंद्र का निर्माण, 9 करोड़ 83 लाख की लागत से माधोपुर, महाराजगंज में 33द11 केवी विद्युत शक्ति उपकेंद्र के निर्माण, 9 करोड़ 43 लाख रुपये की लागत से मशरख-महाराजगंज 132 के०वी० संचरण लाइन का द्वितीय सर्किट स्ट्रिंगिंग एवं सम्बद्ध लाईन बे के निर्माण, 8 करोड़ 49 लाख की लागत से सिवान ग्रिड उपकेन्द्र में 80 एमवीए ट्रांसफार्मर के अधिष्ठापन कार्य का शिलान्यास,कायारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सिवान के नारायणपुर मोड़, पचरूखी स्थित कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में उपस्थित पेंशनधारी लाभुकों, जीविका दीदियों एवं अन्य लाभुकों के साथ संवाद किया। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया।

राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेताओं ने नारायण गुरु को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केरल के पूजनीय संत और समाज सुधारक नारायण गुरु को रविवार को जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि एक महान आध्यात्मिक नेता और निडर समाज सुधारक, उन्होंने भेदभाव को चुनौती दी और एक न्यायपूर्ण, समान और समावेशी समाज के लिए काम किया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आगे लिखा कि उनकी दूरदर्शिता हमारा मार्गदर्शन करती है और सामाजिक न्याय के हमारे संकल्प को मजबूत करती है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मैं केरल के एक पूजनीय संत और समाज सुधारक नारायण गुरु को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। समानता, न्याय और करुणा पर उनकी शिक्षाएं हमें एक प्रगतिशील समाज की ओर प्रेरित और मार्गदर्शन करती रहती हैं। कर्नाटक विधान परिषद सदस्य और पूर्व राज्यसभा सांसद बीके हरिप्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, ष्एक ईश्वर, एक धर्म, एक जाति के आदर्शों के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले महान समाज सुधारक नारायण गुरु की जयंती पर, हम शिक्षित होने, गुलामी के चंगुल से मुक्त होने और सभी प्रकार के अंधविश्वासों व सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध संगठित होने के उनके प्रेरक आह्वान को याद करते हैं। उनका शाश्वत संदेश मानवता को समानता, न्याय और आध्यात्मिक ज्ञान की ओर अग्रसर करता रहता है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव प्रभारी जम्मू-कश्मीर सांसद डॉ. सैयद नसीर हुसैन ने लिखा कि नारायण गुरु की जयंती पर, हम सामाजिक सुधार और समानता के एक दूरदर्शी के रूप में उनकी शाश्वत विरासत का स्मरण करते हैं। अस्पृश्यता के विरुद्ध उनका संघर्ष और शिक्षा पर उनका जोर आज भी हमारा मार्गदर्शन करता है। आइए, एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण के लिए प्रयास करके उनके दृष्टिकोण और संदेश का सम्मान करें।

पूरे बिहार में वोटर अधिकार यात्रा का प्रभाव है: संजय राउत

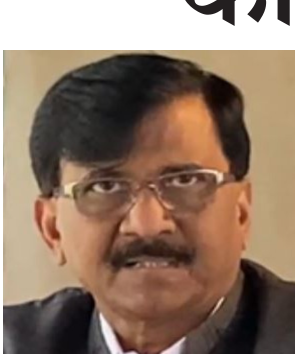

मुंबई। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही है। विपक्ष के नेता लगातार एनडीए और चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगा रहे हैं। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने भी प्रतिक्रिया दी। पत्रकारों से बात करते हुए शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा, बात अब चल रही है चुनाव आयोग के बारे में या उनके खिलाफ, एसआईआर के खिलाफ जो आंदोलन चल रहा है, वह चलता रहेगा। हमने एसआईआर का विरोध किया है। एकनाथ शिंदे उन्होंने कहा कि जिस तरह से बिहार जैसे राज्य में वोट चोरी हो रही है, लाखों की नहीं करोड़ों की संख्या में मतदाताओं को वोटर लिस्ट से निकाला जा रहा है, यह एक गंभीर मुद्दा है, और उसके लिए तो राहुल गांधी ने बिहार में जो श्वोटर अधिकार यात्राश निकाली, उसका प्रभाव पूरे बिहार में चल रहा है। तेजस्वी यादव का समर्थन करते हुए राउत ने कहा कि तेजस्वी यादव ने सच कहा है। उसमें गलत क्या है, क्या मिला बिहार को 11 साल में, आप मुझे बताइए, आज भी बिहार में युवाओं का पलायन चल रहा है। रोजगार के लिए अगर 11 साल में सरकार कुछ काम करती तो यह पलायन नहीं होता। लोगों को अपने गांव में, अपने शहर में, अपने राज्य में रहकर रोजगार मिलता। वडेट्टीवार वहीं, बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर मचे घमासान के बीच भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) अब इसे पूरे देश में कराने पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने 10 सितंबर को दिल्ली में सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) की एक बैठक बुलाई है। बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा होगी। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के अलावा सभी राज्यों के चुनाव आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

वोट चोरी में भाजपा की मदद क्यों कर रहा चुनाव आयोग : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया है कि वह कई सालों से वोट चोरी की साजिश में शामिल होकर भाजपा की मदद कर रहा है और उसे स्पष्ट करना चाहिए कि क्या आयोग इस काम के लिए भाजपा का बैक ऑफिस बन गया है। मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए रविवार को कहा कि क्या चुनाव आयोग वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक-ऑफिस बन गया है। उन्होंने इस संदर्भ में कुछ पुराने उदाहरण देते हुये कहा कि मई 2023 के कर्नाटक चुनाव से पहले कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया और बताया था कि इस सीट पर फॉर्म 7 के आवेदनों में साजिश कर बेहद सलीके से हजारों मतदाताओं के अधिकार छीन लिये गये। फिर एक मामला दर्ज किया गया और इसकी जाँच में 5,994 जाली आवेदनों का पता चला। यह वोट चोरी के बड़े प्रयास का एक स्पष्ट प्रमाण है। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी जाँच का आदेश दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस प्रक्रिया में चुनाव आयोग को घेरते हुए कहा लेकिन यहाँ पेच यह है जहाँ चुनाव आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों का एक हिस्सा साझा किया था वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी को छुपा दिया है-और वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है। आयोग ने अचानक महत्वपूर्ण सबूत क्यों रोक दिए। यह किसे बचा रहा है। भाजपा के वोट चोरी विभाग को। क्या चुनाव आयोग भाजपा के दबाव में सीआईडी जाँच को पटरी से उतार रहा है।

संछिप्त खबरे

दिल्ली में यमुना का जलस्तर घटा, लोगों की मिली राहत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के पुराने रेलवे पुल पर रविवार सुबह आठ बजे यमुना का जलस्तर 205.56 मीटर दर्ज किया गया जो निकासी (लोगों के सुरक्षित निकाले जाने) के लिए निर्धारित 206 मीटर के निशान से नीचे है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी के लिए चेतावनी का निशान 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है और लोगों को निकालने का काम 206 मीटर पर शुरू होता है। पुराना रेलवे पुल नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ के खतरों पर नजर रखने के लिए एक प्रमुख निगरानी बिंदु के रूप में काम करता है। पिछले कुछ दिनों में, नदी के किनारे के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। नदी के पास निचले इलाकों से निकाले गए लोगों के अस्थायी आवास के लिए दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और मयूर विहार इलाकों में टेंट लगाए गए हैं। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार, हथिनीकुंड बैराज से 51,335 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। वजीराबाद बैराज से लगभग 73,280 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बैराजों से छोड़े गए पानी को दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे लगते हैं। ऊपरी इलाकों से कम पानी छोड़े जाने से भी जलस्तर बढ़ रहा है।

धनबाद खदान हादसे में 3 और शव बरामद, मृतकों की संख्या हुई सात

धनबाद। झारखंड के धनबाद जिले में भूस्खलन के कारण एक वैन के 150 फुट गहरी खुली खदान में गिरने की घटना में 3 और लोगों के शव बरामद किए गए, जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 7 हो गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को स्थानीय गोताखोरों ने चार शव निकाले थे। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रामकनाली पुलिस थाना क्षेत्र के भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) एरिया-4 स्थित एक खुली खदान में भूस्खलन होने के कारण हुई। खदान के निकट कई घर और कुछ अस्थायी ढांचे भी ढह गए। बीसीसीएल के कटरा महाप्रबंधक राजकुमार अग्रवाल ने कहा, बचाव अभियान के दौरान कुल सात शव बरामद किए गए। कल चार शव निकाले गए थे और आज तीन और शव निकाले गए हैं। बचाव अभियान में शनिवार को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम तैनात की गई।

सड़क हादसे में संभल के एसडीएम और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल जिले में रामनगर के पास एक कार सड़क पर लगे डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी जिसके कारण उसमें सवार उत्तर प्रदेश के संभल जिले के उपजिलाधिकारी विकास चंद्रा और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। योगी सरकार की नौकरियां पुलिस की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार यह हादसा पीरूमदारा में शनिवार देर रात हुआ जब चंद्रा अपनी कार में पत्नी डॉ दीक्षा शर्मा के साथ यात्रा कर रहे थे और उनकी कार राष्ट्रीय राजमार्ग-309 पर लगे डिवाइडर से टकराने के बाद कई बार पलटी। हादसे के समय चंद्रा स्वयं कार चला रहे थे। पुलिस ने बताया कि हादसे में गंभीर रूप से घायल दंपति को तत्काल पीरूमदारा के एक अस्पताल में ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को देखते हुए पहले उन्हें उधमसिंह नगर जिले के काशीपुर के एक अस्पताल के लिए और फिर वहां से उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद के एक अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।योगी सरकार की नौकरियांपीरूमदारा के अस्पताल के चिकित्सक डॉ सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि जब पति-पत्नी को लाया गया, दोनों की हालत बहुत नाजुक थी।

महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर रेलवे सुरक्षा बल के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, गोरखपुर का निरीक्षण करते हुये

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने 06 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, गोरखपुर का वृहद निरीक्षण किया। इस अवसर पर सुरक्षा बल के जवानों ने महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर को सलामी दी। निरीक्षण के दौरान उनके साथ महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल श्री तारिक अहमद, मुख्य सुरक्षा आयुक्त-सह-प्रधानाचार्य, रेलवे सुरक्षा बल श्री अजीत कुमार बर्णवाल, उप प्रधानाचार्य, क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र श्री नरेन्द्र कुमार तथा सुरक्षा विभाग, गोरखपुर के वरिष्ठ अधिकारी, निरीक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में शस्त्रागारों, आर्मर शॉप, बैरकों, मेस, प्रशिक्षण कक्षों तथा कार्यालय का गहन निरीक्षण किया एवं उनमें आवश्यक सुधार हेतु निर्देश दिये। निरीक्षण के उपरान्त महाप्रबन्धक ने उप प्रधानाचार्य कक्ष में महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल श्री तारिक अहमद, मुख्य सुरक्षा आयुक्त-सह-प्रधानाचार्य, रेलवे सुरक्षा बल श्री अजीत कुमार बर्णवाल एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुये रिफ्रेशर कोर्स एवं रिक्रूटमेंट सम्बन्धित विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सुरक्षा बल के जवानों के लिये बैरक में आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराने तथा प्रशिक्षण कक्षों को वातानुकूलित करने हेतु दिशा-निर्देश दिये। महाप्रबन्धक ने कहा कि रेलवे स्टेशनों पर निरन्तर सतर्क नजर रखें, जिससे रेल संचलन में किसी प्रकार का व्यवधान न हो। बैठक में महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल श्री तारिक अहमद ने सुरक्षा विभाग में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों, उपलब्धियों, ऑगेनाईजेशन चार्ट, प्रशिक्षण क्रियाकलापों एवं अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तार से महाप्रबन्धक को अवगत कराया।

पूर्वोत्तर रेलवे को माल लदान से कुल रू. 211.414 करोड़ की आय

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा व्यापारियों तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों को दी जा रही उन्नत सुविधाओं तथा मुख्यालय एवं मंडल स्तर पर बिजनेस डेवलपमेंट यूनिटों के सुनियोजित प्रयासों से पूर्वोत्तर रेलवे पर माल लदान में वृद्धि का क्रम जारी है। वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में माह अगस्त, 2025 तक कुल 1.938 मिलियन टन माल लदान हुआ, जिससे रू. 211.414 करोड़ की आय हुई तथा माह अगस्त, 2025 में कुल 0.452 मिलियन टन माल का लदान हुआ, जिससे रू. 48.926 करोड़ की आय हुई। रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समेकित प्रयासों के फलस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे पर वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में माह अगस्त, 2025 तक कुल 1.938 मिलियन टन माल लदान लदान हुआ, जो गत वित्त वर्ष 2024-25 में माह अगस्त, 2024 तक कुल 1.827 मिलियन टन माल लदान की तुलना में 6.076 प्रतिशत अधिक है।

प्रत्येक रविवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा.

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05325/05326 गोमती नगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन गोमती नगर से 27 सितम्बर से 01 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05325 गोमती नगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 27 सितम्बर से 11 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को गोमती नगर से 00.15 बजे प्रस्थान कर बादशाहनगर से 00.40 बजे, लखनऊ सिटी से 01.07 बजे, ऐशबाग से 01.55 बजे, कानपुर सेंट्रल से 03.55 बजे, उरई से 06.20 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झांसी से 09.20 बजे, बीना से 12.35 बजे, रानी कमलापति से 15.25 बजे, इटारसी से 17.10 बजे, खंडवा से 19.43 बजे, भुसावल से 21.45 बजे, दूसरे दिन नासिक रोड से 01.15 बजे, इगतपुरी से 02.30 बजे तथा कल्याण से 04.03 बजे छूटकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस 05.50 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05326 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोमती नगर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 07.55 बजे प्रस्थान कर कल्याण से 08.35 बजे, इगतपुरी से 10.55 बजे, नासिक रोड से 11.27 बजे, भुसावल से 15.35 बजे, खंडवा से 18.25 बजे, इटारसी से 21.10 बजे, रानी कमलापति से 23.25 बजे, दूसरे दिन बीना से 01.30 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झांसी से 03.40 बजे, उरई से 04.52 बजे, कानपुर सेंट्रल से 07.50 बजे, ऐशबाग से 09.30 बजे, लखनऊ सिटी से 09.52 बजे तथा बादशाहनगर से 10.10 बजे छूटकर गोमती नगर 10.45 बजे पहुँचेगी।

बुद्ध तीर्थ यात्रियों का स्वागत कर किया रवाना

दिबियापुर-औरैया – कस्बा रामगढ़ के हरचंदपुर तिराहा दिबियापुर रोड पर स्थित पेट्रोल पम्प के पास बुद्ध तीर्थ यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया और उन्हें अखिल भारतीय शाक्य महासभा के जिलाध्यक्ष अखिलेश शाक्य व हरचंदपुर पेट्रोल पम्प के मालिक गुड्डू यादव व अन्य लोगो ने पंचशील ध्वज दिखाकर रवाना किया बुद्ध तीर्थ यात्रियों का जत्था पुरे जनपद से बस पर सवार होकर हरचंदपुर में पेट्रोल पम्प के पास एकत्रित होकर पहुंचे वहां पर मौजूद बुद्ध उपासक अखिल भारतीय शाक्य महासभा के जिलाध्यक्ष अखिलेश शाक्य ,रमेश शाक्य ,राजू दोहरे ,सत्यवीर शाक्य ,प्रदीप शाक्य ,सुनील शाक्य आदि लोगो ने बुद्ध तिरत यात्रियों को जलपान कराकर व पंचशील पट्टिका पहनाकर भव्य स्वागत किया बुद्ध तीर्थ यात्रा का नेतृत्व बुद्ध उपासक राजू शाक्य बरौना कलावाले के नेतृत्व में जा रही है यात्रा सहयोजक राजू शाक्य ने बताया कि मैं यह यात्रा लगातार कई वर्षो से बुद्ध के विभिन्न तीर्थ स्थानों पर हर वर्ष लेकर जाते है उसी क्रम में इस वर्ष भी दक्षिण भारत में स्थित विभिन्न बुद्ध तीर्थ स्थलों रानी का किला झांसी ,माता टीला बांध ,नरवर शिवपुरी ,बिदिशा संघमित्राजन्म स्थली ,साँची का स्तूफ ,दीक्षा भूमि नागपुर महाराष्ट्र ,अजंता की गुफाएं ,एलोरा की गुफाएं महाराष्ट्र ,शिरडी साई बाले बाबा महाराष्ट्र ,ग्लोबल पिगोड़ा समुद्र टापू मुंबई ,मडवागढ़ (मांडू)का किला ,मऊ छावनी इंदौर (भीम जन्म स्थली) ,उज्जैन आदि बुद्ध का भ्रमण सितंबर को वापस आएगी यात्रा का बुद्ध उपासको के द्वारा तीर्थ यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया यात्रा को रवाना अखिल भारतीय शाक्य महासभा के जिला अध्यक्ष अखिलेश शाक्य ,पेट्रोल पम्प मालिक गुड्डू यादव व अन्य लोगो के द्वारा पंचशील ध्वज दिखाकर किया गया इस अवसर पर रमेश शाक्य ,शनि शाक्य ,सुनील शाक्य ,बॉबी शाक्य ,आकाश ,ध्रुव सिंह ,व्रजपाल शाक्य ,नंदराम दोहरे ,धर्मेंद्र दोहरे ,दीपू यादव ,ऋषभ शाक्य ,आशीष शाक्य ,राम दुलारे शाक्य सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

कस्ता में दलित समाज की बैठक में पहुंचे हजारों की संख्या में लोग

लखीमपुर खीरी। बाबूरामेश्वर दयाल महाविद्यालय ओइल सरैयाँ में अनुसूचित जाति समाज की एक विशाल बैठक आयोजित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू और भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व राज्यसभा सांसद जुगुल किशोर की अध्यक्षता में शामिल हुए।कस्ता विधानसभा क्षेत्र 143 के विभिन्न गांवों से हजारों लोगों ने बैठक में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में विधायक सौरभ सिंह सोनू और जुगुल किशोर ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। जहां समाज के आए हुए लोगों ने पूर्व राज्यसभा सांसद जुगल किशोर एवं कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू को माला पहनाकर सम्मानित किया। मंच से संबोधित करते हुए नेताओं ने डॉ. अंबेडकर की विचारधारा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बाबा साहेब के 'शिक्षित बनो, संगठित रहो,संघर्ष करो' के संदेश को दोहराया और समाज की एकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में विश्वराज गौतम,बुद्धेश गौतम,सचिन सिंह नितिन,बिंद्रा प्रसाद, रघुवर दयाल,रवि गौतम,अमर सिंह गौतम, रोहन लाल गौतम,अशोक कुमार गौतम, कृष्ण कुमार गौतम रामदीन पुरवा,संदीप गौतम,सियाराम गौतम,संजीव गौतम,गार्गी प्रसाद,बीडीसी राजेंद्र प्रसाद गौतम,समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

साइक्लोथॉन के शुभारम्भ का दृश्य

गोरखपुर,: फिट इंडिया अभियान को गति प्रदान करने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर

रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के तत्त्वावधान में 07 सितम्बर, 2025 को सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में संडेज ऑन साइकिल का आयोजन कर फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज के संदेश के साथ साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। साइक्लोथॉन का शुभारम्भ महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह ने वरिष्ठ स्विमिंग कोच श्री भूपेन्द्र उपाध्याय से हरी झंडी दिखवाकर किया। इस साइक्लोथॉन में लगभग 05 किमी. की दूरी तय की गई, जो रेलवे स्टेडियम से प्रारम्भ होकर मोहद्दीपुर, पैडलेगंज, रामगढ़ताल के किनारे (सर्कुलर रोड), आर.के.बी.के., महाप्रबन्धक कार्यालय होते हुये पुनः रेलवे स्टेडियम में पहुँचकर समाप्त हुआ। इस आयोजन में उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/लोको शेड श्री अजितेन्द्र त्रिपाठी, सहायक क्रीड़ाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह सहित राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कोच, खिलाड़ी, स्थानीय खिलाड़ी, रेलवे अधिकारी एवं भारी संख्या में स्पोटर्स पर्सन तथा कर्मचारियों ने भाग लिया साथ ही फिटनेस को लेकर एक अच्छा संदेश दिया गया। इस अवसर पर महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संडेज ऑन साइकिल का आयोजन कर फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज का संदेश देने का कार्य किया गया। श्री सिंह ने कहा कि आज के समय में फिटनेस सबसे बड़ी चुनौती है, जो नियमित रूप से साइकिल चलाकर पाया जा सकता है। नियमित रूप से साइकिल चलाकर हम अपने फिटनेस को बनाये रख सकते हैं। हमें अपने छोटे कार्य साइकिल के माध्यम से ही करने चाहिये। उन्होने कहा कि साइकिल पर्यावरण अनुकूल साधन है, इससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है साथ ही सेहत भी अच्छी रहती है। हमें खेल को अपने जीवन में समाहित कर दैनिक लाइफ स्टाइल में फिटनेस पर ध्यान देना चाहिये। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि खेल के क्षेत्र में पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ी काफी अच्छा कर रहे हैं। बैडमिंटन में 04 दशकों के बाद पूर्वोत्तर रेलवे को पदक प्राप्त हुआ है। खिलाड़ियों के लिये यह स्टेडियम बहुत अच्छा है, वह यहाँ अधिक से अधिक समय दें और खेल पर ज्यादा फोकस कर अपनी प्रतिभा को निखारें तथा अपने शक्ति की पहचान कर राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर देश को गौरवान्वित करें। उन्होंने कोचों को सुझाव दिया कि वह खिलाड़ियों से तालमेल बनाकर सदैव बदलाव लाने का प्रयास करें। उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/लोको शेड श्री अजितेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि आज के समय में फिटनेस ही सब कुछ है। फिटनेस के लिये आपको प्रतिदिन पसीना बहाना चाहिये तब आप अपने आपको फिट रख पायेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वह अपनी इच्छाशक्ति बढ़ायें और हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करें। सहायक क्रीड़ाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि इस साइक्लोथॉन में अधिक से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लेकर शहर की जनता को भी फिटनेस के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटी व भतीजे की मौत

अजीतमल,औरैया। महेवा चौकी क्षेत्र के बहेड़ा ओवरब्रिज के पार नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार मां, बेटी व भतीजे की मौत हो गई। चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। पता चला है कि सोनी (40) निवासी गांव अमावता कोतवाली अजीतमल, जनपद औरैया की बेटी बेटू (2) की तबियत खराब चल रही थी। रविवार सुबह सोनी अपने भतीजे कवींद्र (24) के साथ बेटी को दिखाने इटावा के एक डॉक्टर के यहां गई थीं। दोपहर में सोनी, कवींद्र और बेटू बाइक से गांव लौट रहे थे। रास्ते में बहेड़ा ओवरब्रिज के पास ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कुछ देर के लिए नेशनल हाईवे यातायात बाधित हो गया। सूचना पर पहुंची एनएचएआई और थाना पुलिस की टीम ने शवों को सड़क से हटवाकर यातायात को सुचारू कराया। एसओ ने बताया कि फरार वाहन चालक की तलाश की जा रही है। परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है।

जनपद को लगातार प्राप्त हो रही यूरिया उर्वरक की रैक

बहराइच। जिला कृषि अधिकारी डॉ. सूबेदार यादव द्वारा अवगत कराया गया है कि रवी सीजन की फसलों की बुवाई की तैयारी को देखते हुए जनपद में डीएपी एवं एनपीके उर्वरक का स्टॉक भी बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले में 3835 मैट्रिक टन यूरिया, 5494 मैट्रिक टन डीएपी, 3792 मैट्रिक टन एनपीके एवं 13070 मैट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक उपलब्ध है। जनपद की सभी समितियो पर उर्वरक उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा यूरिया वितरण कार्य की सघन निगरानी की जा रही है। डॉ. यादव ने बताया कि कृत्रिम कमी पैदा करने वाले दुकानदारों पर फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर और ईसी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कृषकों से अपील की है कि अफवाहों पर कतई ध्यान न दें। जनपद में अब तक 62331 मैट्रिक टन यूरिया का वितरण किया जा चुका है। गत शनिवार को जिले में 384 मैट्रिक टन यूरिया का वितरण किया गया है। सीमावर्ती क्षेत्र में एसएसबी व पुलिस विभाग से समन्वय कर बड़ी निगरानी रखी जा रही है। जिले की सभी समितियों एवं विक्रय केन्द्रों पर पुलिस, राजस्व व कृषि विभाग की देख-रेख में उर्वरक का वितरण कराया जा रहा है। उर्वरक वितरण के सम्बन्ध में शिकायत प्राप्त होने पर कड़ी कार्यवाही की जा रही है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर ए.आर. को-आपरेटिव, जिला प्रबंधक पीसीएफ एवं इफको के प्रतिनिधि के साथ प्रतिदिन बैठक कर उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा की जाती है तथा जिन समितियों पर पांच मैट्रिक टन से कम यूरिया उपलब्ध होती है वहां उर्वरक भेजने की कार्रवाई की जा रही है। जनपद में उर्वरक की कमी नहीं लगातार यूरिया रैक प्राप्त हो रही है। जिले को प्राप्त होने वाली उर्वरक को सहकारी समितियां एवं प्राइवेट दुकानदारों के यहां भेजा जा रहा है। उन्होंने किसानों को सुझाव दिया है कि यूरिया उर्वरक को एडवांस में खरीद कर भंडारण ना करें। डॉ. यादव ने बताया कि किसानों को समय पर एवं सही मूल्य पर खाद उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पितृ पक्ष पर श्रद्धालुओं ने गोमती नदी पर किया पितरों को तर्पण

लखनऊ। राजधानी में पितृ पक्ष का आरंभ हो गया है। श्रद्धालुओं ने गोमती नदी स्थित कुड़ियाघाट पर जाकर अपने पितरों को तर्पण किया। पंडित कमला कांत द्विवेदी ने बताया कि आश्विन मास में मनु द्वारा श्राद्ध की परंपरा शुरू की गई थी। श्राद्ध पितृ ऋण चुकाने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। धर्म ग्रंथों में ऋषि-मुनियों ने इसका विशेष महत्व बताया है। उन्होंने श्राद्ध विधि के बारे में जानकारी दी। प्रतिदिन गौ ग्रास निकालने के बाद ही तर्पण करना चाहिए। श्राद्ध की तिथि पर ठाकुर जी को भोग लगाने के बाद गौ ग्रास के साथ जलचर और नभचर जीवों के लिए भी भोजन निकालना चाहिए। इसके बाद सात्विक और योग्य ब्राह्मण को भोजन कराकर दान करना चाहिए। यह धार्मिक अनुष्ठान 15 दिनों तक चलेगा। यह पितरों की आत्मा की शांति के लिए किया जाता है। कार्यक्रम में ऋद्धि किशोर गौड़, दीपक तिवारी, गौरव बाजपेयी और पुरुषोत्तम चौरसिया सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सपना हुआ साकार तो सफल अभ्यर्थियों ने जताया मुख्यमंत्री योगी का आभार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रोजगार के अवसर अब योग्यता और मेहनत के दम पर हासिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया ने हजारों युवाओं के जीवन को नई दिशा दी है। रविवार को लोकभवन के सभागार में नियुक्ति पत्र पाने वाले नवचयनित अनुदेशकों ने मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता केवल उनकी मेहनत ही नहीं, बल्कि सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम है।योगी सरकार की नौकरियां उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री का कहना है कि उत्तर प्रदेश में अब रोजगार के अवसर योग्यता और मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को ही मिलेंगे, न कि सिफारिश वालों को। सीएम योगी के इसी मिशन को उनकी टीम धरातल पर उतारने में लगी है। मैनपुरी की सीमा ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि मैंने राजकीय महिला पॉलीटेक्निक, बरेली से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के प्रयास से यह भर्ती प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ पूरी हुई, जिसकी वजह से उनकी मेहनत रंग लाई। लखनऊ की अल्पना श्रीवास्तव

ने फिरोजगांधी पॉलीटेक्निक, रायबरेली से प्रशिक्षण प्राप्त किया और एनएसटीआई कानपुर से सीआईटीएस कोर्स किया। उन्होंने बताया कि समाज की चुनौतियों के बावजूद उनके माता-पिता ने कभी पढ़ाई में कमी नहीं रखी। उन्होंने बताया कि अनुदेशक की नियुक्ति मिलने पर उनके माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू थे। उन्होंने वादा किया कि वह अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाएंगी। उत्तर प्रदेश को उत्तम और कुशल प्रदेश बनाने में सहयोग करूंगी।गोरखपुर के श्यामू विश्वकर्मा ने भावुक होकर कहा कि वह किसान परिवार से आते हैं और परिवार में पहले व्यक्ति हैं जिन्हें सरकारी नौकरी मिली है। यह अवसर उन्हें इसलिए मिल पाया क्योंकि प्रदेश सरकार ने निष्पक्ष भर्ती की परंपरा स्थापित की है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए विश्वास दिलाया कि वह पूरी लगन और मेहनत से काम कर अपने चयन को सार्थक करेंगे। पीलीभीत के पवन कुमार ने बताया कि उन्होंने राजकीय पॉलीटेक्निक पीलीभीत से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया और फिर सीआईटीएस की परीक्षा हैदराबाद से पास की। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र से सरकारी सेवा तक की उनकी यात्रा आसान नहीं थी। लेकिन सरकार की पारदर्शी प्रक्रिया ने उनके सपनों को पंख लगा दिए। नवचयनित अनुदेशकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर खुद को गौरवान्वित महसूस किया।

जिनके घर कांच के बने हों, उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए: भूपेंद्र

लखनऊ। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा ,अखिलेश यादव जी, जिनके अपने ही घर कांच के बने हों, उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए। आपकी सरकार का कुख्यात नारा सबको याद है ह्लसमाजवादी पार्टी का नारा है, खाली प्लॉट हमारा है !ह्व उन्होंने कहा,रद्दी में पड़े अखबारों का हर पन्ना गवाही देता है कि सपा राज में माफिया लालबत्ती की गाड़ियों में घूमते थे, खुलेआम कानून को चुनौती देते थे, दंगे यूपी की पहचान बन गए थे, जातिवाद और भ्रष्टाचार अपने चरम पर था और आम जनता का जीना दूभर हो गया था।ये सब किसके संरक्षण में हो रहा था, यह बताने की जरूरत नहीं है,जनता भी जानती है और आप भी।आज डबल इंजन वाली भाजपा सरकार में दंगे भी बंद हैं और दंगाई भी बंद हैं।जहाँ तक पीडीए के ढोंग की बात है, वो आप रहने दीजिए। हाल ही में आपने जिस तरह एक पिछड़े समाज से आने वाली बहन के साथ व्यवहार किया, वो पूरे प्रदेश ने देखा है। रही बात दरार की, तो आप खुद ही जानते हैं

रेडक्रास टीम ने बाढ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित किया

नोएडा रेडक्रास, गौतमबुद्धनगर टीम द्वारा बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में पीड़ित परिवारों को खाद्य एवं राहत सामग्री के साथ ही स्वच्छता किट का वितरण किया गया। नोएडा में यमुना में बाढ आने से बहुत लोग वेघर हो गये है। उनका आशियाना पानी के बाढ में बह गया या डूब गया। ऐसे लोगों को रेडक्रास टीम द्वारा उन्हें आवश्यक चीजें मुहैया कराई जा रही है। यह कार्य अनवरत जारी है। इसमें शालिनी सिंह, गरिमा त्रिपाठी, चक्रधर मिश्रा, अखिलेश कटियार, पीयूष श्रीवास्तव व अन्य कई वॉलिंटियर्स ने सेवाएं दे रहे हैं। रेडक्रास सोसायटी द्वारा अन्य सामजिक संस्थाओं एवं जिला प्रशासन से सहयोग कर राहत कार्य जारी रखा जाएगा।

प्राइमरी स्कूलों में हिगी 5352 नियमित विशेष शिक्षकों की नियुक्ति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने के लिए 5352 नियमित विशेष शिक्षक रखे जायेंगे। माध्यमिक शिक्षा विभाग के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने इसकी तैयारी कर ली है। बेसिक में लगभग 80 हजार दिव्यांग बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं।सुप्रीम कोर्ट में सात मार्च को रजनीश कुमार पांडेय व अन्य बनाम यूनियन ऑफ इंडिया व अन्य मामले में दिए गए आदेश के बाद माध्यमिक व बेसिक शिक्षा विभाग ने निर्णय लिया है। 9 सितंबर को मामले में एफिडेविट देना है। इससे पहले माध्यमिक में 47 और अब बेसिक में 5352 विशेष शिक्षक रखने का निर्णय लिया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग के इस प्रस्ताव पर सहमति हुई है। आवश्यकता के अनुसार विशेष शिक्षकों की नियुक्ति की जा सकेगी। विशेष श्रेणी के बच्चों में सीखने, बोलने, व्यवहार से संबंधित समस्या रहती है।

चुनाव आयोग से मिलीभगत कर लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या कर रही भाजपा: कांग्रेस

लखनऊ। लोकतंत्र में चुनाव की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। चुनाव वह माध्यम है, जिससे जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन करती है और शासन को वैधता मिलती है। लोकतंत्र में चुनाव ही एक मात्र रास्ता होता है जिसके जरिए बिना हिंसा के सत्ता परिवर्तित होती है और प्रत्येक नागरिक को बराबरी का अधिकार प्राप्त होता है। प्रतिनिधि जनता के प्रति जवाबदेह रहते हैं, क्योंकि उन्हें फिर से 5 वर्ष बाद चुनाव लड़ना होता है, अगर वे जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते तो जनता उन्हें सत्ता से बाहर कर सकती है। मोदी शासनकाल में देश में निष्पक्ष चुनाव एक सपना सा हो गया है। देश और प्रदेश की सत्ता काबिज पर भाजपा ने चुनाव आयोग से मिलीभगत कर लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या कर दी है। जननायक राहुल गांधी पिछले कई वर्षों से चुनाव में धांधली बात प्रमुखता से उठा रहे हैं, मगर जब चुनाव आयोग ने किसी भी आरोप पर जाँच कराना तो दूर जवाब देना मुनासिब नहीं समझा तब पार्टी ने स्वतः ही आकड़ों की जाँच करवाई। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र से प्राप्त साक्ष्यों के माध्यम से मतदाता सूची में भारी अनियमितता को उजागर किया। खुलासों ने पूरे देश सामने चुनावी प्रक्रिया में हो रही धांधली को उजागर कर दिया कि किस पैमाने और सटीकता से चुनावी धांधली चुनाव आयोग की नाक के नीचे की जा रही है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए 11 अगस्त को इंडिया गठबंधन के सांसद चुनाव आयोग के पास जवाब मांगने के लिए मार्च करते हुए गए, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया यह इस सरकार की लोकतांत्रिक विरोध को दबाने की मंशा का स्पष्ट प्रमाण है।

तिलोई के रस्तामऊ गांव स्थित प्राचीन मां काली मंदिर में गणेश उत्सव का आयोजन

अमेठी तिलोई विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रस्तामऊ स्थित प्राचीनतम मां काली मंदिर प्रांगण में इस वर्ष भी श्रद्धा और उत्साह के साथ श्री गणेश उत्सव पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री एवं तिलोई विधायक राजा मयंकेश्वर शरण सिंह तथा तिलोई ब्लॉक प्रमुख कृष्ण कुमार सिंहसी उर्फ मुन्ना ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई। दोनों जनप्रतिनिधियों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिविधान से श्री गणेश जी की पूजा–अर्चना की और प्रसाद ग्रहण किया।आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया गया।

एक साल का राजस्व 4193 करोड़, पांच साल में कमाए 14,627 करोड़; क्रिकेट बोर्ड ने दिखाया खाता-बही

नई दिल्लीः बीसीसीआई ने पिछले पांच वर्षों में अपने खजाने में 14,627 करोड़ रुपये की वृद्धि की है। अकेले पिछले वित्त वर्ष में ही 4,193 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब बीसीसीआई के पास नकद और बैंक बैलेंस मिलाकर कुल 20,686 करोड़ रुपये हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले पांच वर्षों में अपने खजाने में 14,627 करोड़ रुपये की वृद्धि की है। अकेले पिछले वित्त वर्ष में ही 4,193 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद बीसीसीआई के पास नकद और बैंक बैलेंस मिलाकर कुल 20,686 करोड़ रुपये हो गए हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य संघों का पूरा बकाया चुकाने के बाद भी बीसीसीआई की आमदनी लगातार बढ़ी है। 2019 में जहां बीसीसीआई का सामान्य कोष 3,906 करोड़ रुपये था, वहीं 2024 में यह लगभग दोगुना होकर 7,988 करोड़ रुपये हो गया है।

पांच साल में आठ की मौत फिर भी शहर की सड़कों पर घूम रहे 20 हजार आवारा जानवर

ग्वालियर

नगर निगम सीमा क्षेत्र की सड़क, चौराहा, गली-मोहल्ले, मंदिर व मजिस्द के बाहर आवारा जानवर हर दिन बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि इनको हर दिन अभियान चलाकर पकड़ने का दावा निगम के अधिकारियों द्वारा किया जाता है, लेकिन वह केवल कागजों में ही दिखाई दे रहा है। क्योंकि अभी भी शहर की सड़कों पर लगभग 20 हजार से अधिक जानवर गली, सड़क, चौराह व मोहल्ले में बैठे रहते हैं।

शहर के हर चौराहे व मोहल्ले में बैठे नजर आ रहे हैं आवारा पशु

इन आवारा जानवरों में शामिल सांड बीते पांच सालों में 8 लोगों की जान ले चुके हैं और लगभग 30 से अधिक लोगों को घायल कर चुके हैं। इन सबके बाद भी निगम के जिम्मेदारों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है।

शनिवार को भी शहर के विभिन्न चौराहा, मेन रोड, गली-मोहल्ले में यह आवारा जानवर बैठे हुए नजर आए। वहीं इन आवारा पशुओं के चलते सड़कों से गुजरने वाले रहगीरों में भी काफी डर बना हुआ है।

आवारा सांड से इनकी हुई मौत

- फरवरी 2021 में पलम्बर गणेश चौरसिया को कंपू पर आवारा सांड ने टक्कर मार दी इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।
- मई 2021 में गिरवाई क्षेत्र के पास वृद्ध झम्मन को सांड ने टक्कर मार दी, इससे उसकी दो दिन बाद मौत हो गई।
- दिसंबर 2021 में बरादरी चौराहा के राघवेंद्र को सांड ने टक्कर मार दी, इससे उसकी मौत हो गई।
- फरवरी-मार्च 2022 में अचलेश्वर मंदिर पर पूजा करने आई दतिया की एक वृद्ध महिला आवारा सांड ने टक्कर मार दी, इससे दो दिन बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।
- मई 2022 में राम मंदिर चौराहा के पास साड़ ने दुकान में घुसकर एक युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद शाम को ही युवक की मौत हो गई।
- फरवरी 2024 में गोल पहाड़िया के पास घर के बाहर बैठे बुजुर्ग को सांड ने पटक दिया था, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।
- हजीरा रोड पर बाइक से जा रहे एक युवक से सांड टकराया गया, इससे उसकी मौत हो गई।

टीम कहां पकड़ती है जानवर किसी को पता नहीं

निगम की ओर से आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए के लिए दल गठित किए गए हैं, लेकिन यह टीम कहां पर आवारा जानवरों को पकड़ती है किसी को कोई पता नहीं चलता है। सवाल यह है कि जब जानवर लगातार पकड़े जा रहे है तो इनकी संख्या कम होने की जगह बढ़ क्यों रही है। जबकि निगम ने तीनों विस में 21 कर्मचारी व तीन गाड़िया ले रखी हैं और हर दिन जानवरों को पकड़ने के नाम पर डीजल की बर्बादी भी की जा रही है।

यहां रहता है जानवरों का झुंड

आवारा बहोड़ापुर, हजीरा, किला गेट, थाटीपुर से नदी पाल टाल, मुरार बारादरी, पड़ाव, गोविंदपुरी चौराहा क्षेत्र, फूलबाग चौराहा, बाड़ा, किला गेट, तानसेन नगर, अलकापुरी क्षेत्र, मोतीमहल क्षेत्र, विनय नगर क्षेत्र, बहोड़ापुर क्षेत्र, सीपी कॉलोनी, गोले का मंदिर, दीनदयाल नगर, किला गेट, नाका चंद्रबदनी, चार शहर का नाका पर जानवरों के झुंड सुबह और शाम को नजर आता है। वहीं दिन में आवारा जानवरों की संख्य कम हो जाती है।

लक्ष्मीगंज मंडी के डबल लॉक खाद केंद्र पर सुव्यवस्थित वितरण

ग्वालियर

लक्ष्मीगंज मंडी में विपणन संघ द्वारा संचालित डबल लॉक खाद वितरण केंद्र पर शनिवार को किसानों को सुव्यवस्थित तरीके से रासायनिक खाद उपलब्ध कराया गया। इस दौरान लगभग 150 किसानों को डीएपी, यूरिया और एनपीके का वितरण किया गया।

खाद वितरण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए टोकन व्यवस्था लागू की गई है। किसानों को आधार कार्ड और भूमि रकबे की पुष्टि के बाद ही खाद दी गई। साथ ही भुगतान के लिए पीओएस मशीनों पर अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं।

जिलाधीश रुचिका चौहान ने व्यवस्था की निगरानी के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। संयुक्त कलेक्टर अनिल बनवारिया, प्रभारी डिप्टी कलेक्टर अनिल राघव और नायब तहसीलदार रत्नेश शर्मा रोजाना केंद्र पर मौजूद रहकर वितरण सुनिश्चित कर रहे हैं।

उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास आर.बी.एस. जाटव ने बताया कि जिले में कुल 18,363 मैट्रिक टन खाद उपलब्ध है। इसमें यूरिया 2694, डीएपी 3592, एमओपी 142, एनपीके 6168 और एसएसपी 5767 मैट्रिक टन शामिल हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अधिक उत्पादन के लिए एनपीके खाद का उपयोग करें, क्योंकि इसमें डीएपी की तुलना में अधिक पोषक तत्व पाए जाते हैं।

सोनागिर स्टेशन पर आज से रुकेगी छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

ग्वालियर। रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने बड़ी राहत दी है। गाड़ी संख्या 18237/18238 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस कोरबा-अमृतसर-बिलासपुर का ठहराव अब सोनागिर स्टेशन पर भी होगा। यह व्यवस्था 7 सितम्बर से लागू होगी। रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस दोपहर 12:50 बजे सोनागिर पहुंचेगी और 12:52 बजे प्रस्थान करेगी। वहीं गाड़ी संख्या 18238 अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस सुबह 11:57 बजे सोनागिर पहुंचेगी और 11:59 बजे रवाना होगी। इस ठहराव के चलते ट्रेन के समय में आंशिक संशोधन भी किया गया है। गाड़ी संख्या 18238 अमृतसर-बिलासपुर एक्सप्रेस अब दतिया स्टेशन पर 12:13 बजे पहुंचेगी और 12:15 बजे रवाना होगी। वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 18237 कोरबा-अमृतसर एक्सप्रेस 7 सितम्बर से दतिया में 13:07 बजे पहुंचेगी और 13:09 बजे रवाना होगी। ग्वालियर स्टेशन पर इसका नया समय 13:45 बजे आगमन और 13:47 बजे प्रस्थान रहेगा। मुरैना स्टेशन पर यह ट्रेन 14:16 बजे पहुंचेगी और 14:18 बजे प्रस्थान करेगी।

सामूहिक गणेश उत्सव में वाद-विवाद व भाषण प्रतियोगिता आयोजित

ग्वालियर। मध्य भारत शिक्षा समिति के सामूहिक गणेश उत्सव अंतर्गत गणेश बाग, लक्ष्मीबाई स्मारक विद्यालय परिसर स्थित गणेश मंदिर में माधव विधि महाविद्यालय द्वारा वाद-विवाद एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। वाद-विवाद का विषय आर्थिक युद्ध स्वदेशी ब्रह्मास्त्र और भाषण का विषय स्वदेशी अपनाओ और देश को सफल बनाओ रहा। प्रतिभागियों ने स्वदेशी को आत्मनिर्भरता, आर्थिक स्वावलंबन व राष्ट्रीय गौरव का आधार बताते हुए विचार रखे। विद्यालय स्तर वाद-विवाद में प्रथम वैभव मंगल, द्वितीय कृष्ण शर्मा, तृतीय आर्जव सक्सेना रहे। महाविद्यालय स्तर पर प्रथम सौम्य शर्मा, द्वितीय अहद खान एवं तृतीय प्राची अग्रवाल रहीं। भाषण प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर पर प्रथम कृष्ण शर्मा, द्वितीय सुकन्या लिखार, तृतीय आर्जव सक्सेना और महाविद्यालय स्तर पर प्रथम अनुश्री तोषनीवाल, द्वितीय प्राची अग्रवाल, तृतीय नीरज बरार रहे। प्रतियोगिता प्राचार्य डॉ. नीति पांडे के मार्गदर्शन में आयोजित हुईं, जिसमें निर्णायक मानवता साहू एवं डॉ. मनोज सिंह गुर्जर रहे। कार्यक्रम का संचालन शीतल जैन व आभार कुमारी ओजस्वी गुप्ता ने व्यक्त किया।

सखियों ने किया नृत्य, गाईं बधाइयां

ग्वालियर। मॉडल टाउन स्थित शिवशक्ति धाम मंदिर पर मधुर भजन मंडली ने राधा जी का छठी उत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया। कार्यक्रम संयोजक मधु भार्गव ने बताया कि सबसे पहले मां दुर्गा का श्री राधा के रूप में मनमोहक श्रृंगार किया। फिर सखियों ने ढोलक, मजीरा, हारमोनियम, करताल आदि पर राधा और कान्हा के भजनों पर नृत्य किया। इस दौरान मंदिर परिसर को गुब्बारों व फूल मालाओं से सजाया गया। कार्यक्रम में नीलम पांडे, शोभा गुप्ता, शशि दुबे, मानसी भार्गव, नीलम चौहान, किरण सिंह, सुधा पवैया, संगीता गुप्ता, सुनीता यादव, कंचन सक्सेना आदि मौजूद रहीं।

विद्यार्थियों ने गणेश प्रतिमा का किया विसर्जन

ग्वालियर। व्हीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज में गणेश महोत्सव का समापन धूमधाम से हुआ। पूरे उत्सव के दौरान छात्र-छात्राओं ने पूजा-अर्चना, रंगोली, मटकी फोड़ व हाउजी जैसी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंतिम दिन हवन-पूजन और भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें स्टाफ और विद्यार्थियों ने प्रसादी ग्रहण की। इसके बाद डीजे की धुन पर नाचते-गाते और अबीर-गुलाल उड़ाते हुए विद्यार्थियों ने गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर ने कहा कि गणेश उत्सव छात्रों को भारतीय संस्कृति व अध्यात्म से जोड़ता है और एकाग्रता विकसित कर उन्हें लक्ष्य प्राप्ति की प्रेरणा देता है। समारोह में चेयरपर्सन सरोज राठौर, ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह, समाजसेवी मुकेश भदौरिया सहित स्टाफ व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

नेशनल कराटे चैम्पियनशिप में जीते पदक

ग्वालियर। काई नेशनल कराटे चैम्पियनशिप कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी हरियाणा में संपन्न हुई। जिसमें कोच विष्णु कान्त शर्मा के नेतृत्व में चैंपियन मार्शल आर्ट क्लब आनंद नगर बहोड़ापुर ग्वालियर के बच्चों ने पुरस्कार जीतकर नाम रोशन किया। इस मौके पर धान्या राय ने स्वर्ण पदक, सृष्टि भारद्वाज रजत, अश्विन भास्कर और शिवार्थ सक्सेना ने कांस्य पदक जीता।

तकनीक को समाज की समस्याओं के समाधान के रूप में अपनाना होगा

ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर 13वां डॉ. एस. राधाकृष्णन मेमोरियल लेक्चर का आयोजन आईटीएम और आईटीएम ग्लोबल स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में तुरारी कैंपस स्थित उस्ताद अलाउद्दीन खान सभागार में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ट्रिपल आईटी हैदराबाद के डायरेक्टर प्रो. डॉ. संदीप शुक्ला उपस्थित रहे।

प्रो. शुक्ला ने भारत में प्रौद्योगिकी शिक्षा तकनीकी संप्रभुता प्राप्त करने के लिए पुनर्विचार विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी जब देश अपने सर्वर, क्लाउड सेवाएं और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करेगा। उन्होंने जोर दिया कि तकनीक को समाज की समस्याओं के समाधान के रूप में अपनाना होगा।

आईटीएम की चांसलर रुचि सिंह ने कहा कि शिक्षक का योगदान केवल शिक्षण तक सीमित न रहकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला होना चाहिए। प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान ने कहा कि वे सभी शिक्षक विजेता हैं जो ईमानदारी और प्रतिबद्धता से शिक्षण कार्य में लगे हैं। वाइस चांसलर प्रो. योगेश उपाध्याय ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक समाज को दिशा देने वाले पथप्रदर्शक होते हैं। इस अवसर पर विभिन्न कैटेगरीज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

ज्ञान, संस्कार और सही जीवन मूल्य प्रदान करते हैं गुरु

ग्वालियर। भारतीय संस्कृति में गुरू का स्थान ईश्वर से भी ऊपर माना गया है, क्योंकि गुरू ही ज्ञान, संस्कार और सही जीवन मूल्य प्रदान करते हैं। यह बात राष्ट्र सेविका समिति मालवा की प्रांत कार्यवाहिका सुश्री भारती कुशवाह ने ओजस्विनी विचार मंच की ऑनलाइन मासिक परिचर्चा में मुख्य वक्ता के रूप में कही। गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय ज्ञान की प्राचीन विरासत विषय पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. राजरानी शर्मा ने कहा कि सफलता को ज्ञान और संस्कारों से तौलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिर्फ धनार्जन ही शिक्षा का उद्देश्य बनकर न रह जाए। अनीता सेठी, तुलसी अग्रवाल, डॉ. साधना पालीवाल, डॉ. रुचि राठौर सहित अन्य वक्ताओं ने भी गुरु-शिष्य परंपरा, उनके मधुर संबंध एवं गुरु की जीवन में महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की प्रस्तावना नंदिता शर्मा ने प्रस्तुत की। बासंती आठले ने अपने सुमधुर गीत से गुरु की महिमा का गुणगान किया। अतिथि परिचय बीना मिश्रा ने दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.मंदाकिनी शर्मा एवं आभार डॉ. ऋतु नामधारी ने व्यक्त किया।

शनिदेव मंदिर इस अंचल की धरोहर है : तोमर

ग्वालियर

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा बाल भवन में आयोजित 'त्रेता के शनि' फिल्म प्रीमियर शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर रहे। स्वागत भाषण कैट के जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि शनिदेव मंदिर ऐती इस अंचल की धरोहर है। हम सब उनके आशीर्वाद से अंचल में सुख और समृद्धि की कामना करते हैं। उन्होंने 'त्रेता के शनि' फिल्म पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जिन कलाकारों ने इस फिल्म में काम किया है, वे प्रशंसा के पात्र हैं।

इस अवसर पर कैट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन, अशोक गोयल, महेन्द्र खत्री, राजीव चढ्ढा, एसके गुप्ता, अर्पित भार्गव, राहुल अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। संचालन विवेक जैन ने किया। कार्यक्रम में व्यापार वार्ता का विमोचन भी हुआ।

238 मरीजों का हुआ परीक्षण

इस अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 238 लोगों को परीक्षण हुआ। इस अवसर पर हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जमाल यूसुफ और मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक झिंगन का सम्मान भी किया।

ग्वालियर में टीटीई लॉबी पर बायोमेट्रिक सिस्टम शुरू

ग्वालियर

रेलवे बोर्ड के निर्देश पर अब टिकट चेकिंग स्टाफ के लिए साइन ऑन और साइन ऑफ की प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी एवं तकनीक आधारित होने जा रही है। इसी क्रम में उत्तर मध्य रेलवे झांसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन स्थित टीटीई लॉबी में बायोमेट्रिक प्रणाली से साइन ऑन एवं साइन ऑफ की सुविधा शुरू कर दी गई है। इस नई व्यवस्था की शुरुआत झांसी और ग्वालियर से की गई है। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि मंडल में कुल 12 टीटीई लॉबी संचालित हैं। इनमें से पहली शुरुआत वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन से की गई है। अब जल्द ही ग्वालियर, मुरैना, भिंड, ललितपुर, टीकमगढ़, महाराजा छत्रसाल छतरपुर, खजुराहो, महोबा, बांदा, चित्रकूट धाम कर्वी और उरई स्टेशनों की टीटीई लॉबी पर भी यह सुविधा उपलब्ध होगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस प्रणाली से टिकट चेकिंग स्टाफ की उपस्थिति दर्ज करने में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। पहले साइन ऑन और साइन ऑफ की प्रक्रिया मैन्युअल ढंग से की जाती थी, जिसमें समयबद्धता और सटीकता को लेकर कई बार सवाल खड़े होते थे। अब बायोमेट्रिक सिस्टम से स्टाफ की वास्तविक उपस्थिति दर्ज होगी और कार्यप्रणाली में अनुशासन आएगा।

माता मरियम आत्मीय बल का उत्तम उदाहरण हैं

ग्वालियर। क्रिश्चियन कॉलोनी गुलाबपूरी जोन द्वारा नौवीना का आठवां दिन मनाया गया। इस मौके पर फादर द्वारा मिस्सा बलिदान अर्पित किया। फादर हर्शल ने अपने संदेश में कहा कि माता मरियम आत्मीय बल का उत्तम उदाहरण हैं। हम मरियम की तरह ईश्वर के प्रेम और अनुग्रह के पात्र बनें एवं दूसरों की सेवा करे। आभार फादर लॉरेंस पल्ली पुरोहित ने किया। इस मौके पर संत पॉल चर्च में मुख्य अनुष्ठानदाता ग्वालियर धर्मप्रांत गुरुकुल के आचार्य फादर हर्शल एंटनी, फादर लॉरेंस डिसूजा, फादर जॉन डिसूजा, फादर जॉन केदरी, फादर विंसेंट सोरिस एवं फादर एंटनी स्वामी उपस्थित रहे।

कांग्रेस की वोट अधिकार यात्रा कल

ग्वालियर

महानगर में कांग्रेस द्वारा 8 सितंबर को वोट अधिकार यात्रा निकाली जाएगी। जिसकी तैयारियों की समीक्षा के लिए शनिवार को कांग्रेस कार्यालय पर साधारण सभा का आयोजन किया गया। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव की अध्यक्षता एवं प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा की उपस्थिति में बैठक में विचार विमर्श किया गया। संचालन महाराज सिंह पटेल एवं आभार जे.एच.जाफरी ने किया। बैठक में श्री यादव ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने बिहार की धरती से वोट अधिकार यात्रा की शुरुआत की है। यह यात्रा सिर्फ कांग्रेस की यात्रा नहीं है, बल्कि भारत के हर आम नागरिक की आवाज है। जनता को उसका हक दिलाने, उन किसानों की है जिनकी मेहनत का मूल्य छीना जा रहा है, युवाओं की है जिनके हाथों से रोजगार छीन लिया गया है, उन गरीब और वंचित वर्गों की है जिनके साथ अन्याय हो रहा है। जब हर नागरिक के वोट का अधिकार सुरक्षित होगा। यही इस यात्रा का मूल मंत्र है। 8 सितंबर को ग्वालियर की जनता कांग्रेस की इस वोट अधिकार यात्रा में कंधे से कंधा मिलाकर शामिल हो और संदेश दे कि अब जनता चुप नहीं बैठेगी। डॉ. देवेन्द्र शर्मा, सुनील शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, हेवरन सिंह कंसाना, राजेन्द्र सिंह नाती, सोनू कुशवाह, मीनू परिहार, हरेन्द्र सिंह गुर्जर, पिंकी पंडित, जसवंत शेजवार ने भी संबोधित किया।

पहली बैठक से नदारद वरिष्ठ नेता

श्री यादव के अध्यक्ष बनने के बाद पहली साधारण सभा की बैठक में कोई भी वरिष्ठ नेता दिखाई नहीं दिया। पूर्व सांसद एवं मौजूदा विधायक एवं पूर्व विधायक नहीं आए। और तो और 7 सितंबर को ग्वालियर पूर्व के विधायक डॉ सतीश सिकरवार द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान कार्यक्रम में यादव का नाम नहीं है। वहीं वोट अधिकार यात्रा ग्वालियर पूर्व क्षेत्र के मुरार में निकाली जा रही है। इसमें विधायक आएंगे या नहीं यह स्पष्ट नहीं है।

शिक्षक दिवस : बच्चों को ज्ञान देने वाले शिक्षकों का हुआ सम्मान

ग्वालियर

प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस मौके पर ज्ञान देने वाले शिक्षकों का सम्मान किया गया।

वहीं सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास रविवार 7 सितम्बर को सायं 4 बजे जीवाजी विश्वविद्यालय के अटल सभागार में 2500 शिक्षक-शिक्षिकाओं का शॉल श्रीफल से करेगा। विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव होंगे। अध्यक्षता पूर्व मंत्री बालेन्दु शुक्ला करेंगे।

विज्ञानपथ ने 'आभार' कार्यक्रम के साथ मनाया शिक्षक दिवस

विज्ञानपथ द्वारा शिक्षक दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ 'आभार' कार्यक्रम के रूप में दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में मनाया गया। इस मौके पर बच्चों द्वारा गीत, नृत्य, नाटक और कविताओं आदि की प्रस्तुति दी जिसमें शिक्षकों के प्रति गहरी कृतज्ञता और स्नेह को अभिव्यक्त किया गया। संस्थान के निदेशक इंजीनियर देवर्षि मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खुली आंखों से अपने सपने देख कर उन्हें पूरा करने का नाम है विज्ञानपथ। इस मौके पर ई. पुनीत सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर रक्षित तिवारी आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर शिक्षकों का सम्मान गरिमामयी ढंग से किया गया।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में गुरुओं को आदरांजलि दी

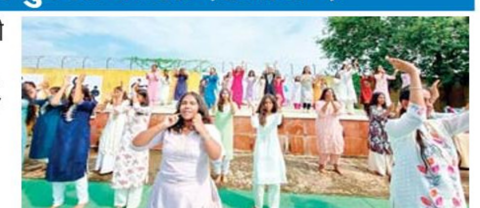

दिल्ली पब्लिक स्कूल ग्वालियर में गुरुओं के प्रति अपनी आदरांजलि प्रस्तुत की। इस अवसर पर संस्था की प्रोवाइस चेयरपर्सन सुश्री अर्चना डालमिया ने विद्यार्थियों, शिक्षकगण एवं अभिभावकों को बधाई दी। कार्यक्रम में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों ने ऑक्रेस्ट्रा की मनभावन प्रस्तुति दी, इसके उपरांत कक्षा 6 से 8 के बच्चों ने रोचक झांकी का प्रदर्शन किया। भाषण, भजन, सामूहिक-गान, डांस आदि प्रस्तुति के द्वारा कक्षा 3 से 12 तक के बच्चों ने शिक्षकों के प्रति अपने सम्मान और प्रेम-भाव की उत्साहवर्धक प्रस्तुति दी।

31 शिक्षकों का सम्मान

लायंस क्लब ग्वालियर अनुभूति द्वारा 31 शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सूचना आयुक्त उमाशंकर पचौरी और विशिष्ट अतिथि के रूप में नरेन्द्र मंगल और अवि वाजपेई उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

अभी और बदलेगे ट्रप के बोल

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने बयानों और निर्णय को लेकर शुरू से ही चर्चा में है। हाल में टैरिफ को लेकर वह पूरे विश्व में चर्चा में ही नही आए बल्कि इस निर्णय से उन्हें अपने ही देश में भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन भारत में भारी भरकम टेरिफ लगाने का खेल उन पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। अमरीकी के दादागिरी वाले निर्णय पर भारत की रणनीति के मद्देनजर ट्रप के बोल में बदलाव शुरू हो गया है। सम्भावना यह जताई जा रही है कि भारत को लेकर टैरिफ मामले में जल्द ही डोनाल्ड ट्रम्प बेकफुट पर नजर आएगें। भारी भरकम टैरिफ और रूसी तेल खरीदने के लेकर पिछले दो दशकों के सबसे गहरे तनाव के बीच ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर पीएम मोदी की रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीन के नेता शी चिनफिंग के साथ तस्वीर पोस्ट हुए कहा था कि लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। इसका कूटनीतिक जबाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनकी सकारात्मक राय की गहराई से सराहना करते हैं और उसका पूरी तरह से समर्थन करते हैं. उन्होंने आगे कहा कि भारत और अमेरिका के बीच बहुत सकारात्मक, दूरदर्शी, व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। ट्रंप भारत को लेकर अभी और लचीले होगें यह तय है। इसके पीछे एक दो नही बल्कि ऐसे कई निर्णय है जो भारी सरकार द्वारा लिये जा चुके हैं। जैसे ट्रंप के तमाम प्रयासों के बावजूद भारत रूसी तेल पर अपने पुराने रुख पर कायम रहा है। टैरिफ विवाद के बीच पीएम मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में शामिल होकर इशारों में ट्रंप को सख्त संदेश दिया था। प्रधानमंत्री मोदी इस महीने के अंत में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना उच्चस्तरीय सत्र में शामिल नहीं होंगे। दूसरी तरफ ट्रंप के सख्त रवैये से रिश्तों में तनाव के बावजूद भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर पर्दे के पीछे से कोशिशें चल रही हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी ट्रेड डील नवंबर तक फाइनल होने की हाल ही में उम्मीद जताई थी। इस ट्रेड डील को लेकर लगभग सहमति बन चुकी है। कृषि और डेयरी जैसे कुछ क्षेत्रों पर बात अटकी हुई है. इसे लेकर अमेरिकी दल भारत आने वाला था। लेकिन इसी बीच ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद वार्ता थम गई। जाहिर बात है कि ये ट्रेड डील दोनों ही देशों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकती है। ऐसे में ट्रंप ये खतरा उठाने का जोखिम मोल नहीं लेना चाहेंगे। ट्रंप ने जिस तरह से भारत के ऊपर भारी भरकम 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए, उसे लेकर उन्हें अपने ही देश में तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर 8 सितंबर को ब्रिक्स के वर्चुअल शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। भारत, चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, ईरान और यूएई आदि के 10 सदस्यीय ग्रुप की बैठक में टैरिफ पर चर्चा होने की संभावना है। निश्चित तौर पर यहॉ भी टैरिफ मामले में अमरीकी को लेकर कोई सार्थक रणनीति बन सकती है। यह सच है कि अमेरिका के लिए भारत आर्थिक, रणनीतिक, सामाजिक रूप से काफी अहम है। भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ-साथ सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था भी है। ह्यएप्पलह्ल ने भारत से 67,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। ह्यअमेजनह्ल ने 40,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। ह्यगूगलह्ल ने 22-23,000 करोड़ रुपए बनाए हैं और ह्यमेटाह्ल ने भी लगभग इतनी ही कमाई की है। ये सभी अमरीकी कंपनियां हैं और भारत उनका सबसे बड़ा बाजार है। ऐसी कई अमरीकी कंपनियां है जो भारत में व्यापार कर रही हैं और मोटा मुनाफा कमा रही हैं। ट्रंप का पीएम मोदी को लेकर दिया गया बयान यह संकेत दे रहा है कि वह भारत पर टैरिफ पर पुनर्विचार कर अपने फैसले को वापस ले सकते है।, लिहाजा उन्होंने सर्वोच्च अदालत से आग्रह किया है कि वह टैरिफ मामले पर यथाशीघ्र सुनवाई कर उसे ह्यवैधह्ल करार दे। अदालत नवंबर माह में सुनवाई शुरू करेगी, यह पहले से ही तय है। अब राष्ट्रपति ट्रंप इसलिए भी चिंतित हैं, क्योंकि दुनिया दो ध्रुवों के बीच बंटती जा रही है और अमरीका को ह्यशीत युद्धह्ल एक बार फिर शुरू होने की आशंका है। अमरीका की ताकत भी बंटती जा रही है। अमरीकी विशेषज्ञ भी मानते हैं कि देश के राष्ट्रपतियों ने दशकों की मेहनत, कूटनीति, दूरदर्शिता और देशों की लामबंदी के जरिए जो ताकत अर्जित की थी और अमरीका को सबसे बड़ी 25 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाया था, राष्ट्रपति ट्रंप उस पर पानी फेर रहे हैं। दूसरी तरफ भारत आगामी दो सालों के भीतर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। अमरीकी कंपनियां भारत की सार्वजनिक और निजी कंपनियों से अरबों डॉलर के करार कर रही हैं। अमरीकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे अधिकारी ने अमरीका में मंदी की संभावनाओं को लेकर राष्ट्रपति को सचेत किया है। ऐसे भी विश्लेषण सामने आए हैं कि एक-तिहाई उद्योग पहले से ही आर्थिक संकट झेल रहे हैं। ऐसे में भारत के साथ कारोबार कम क्यों किया जा रहा है ? टैरिफ का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि रूस के साथ भारत, चीन के अलावा अमरीका और यूरोपीय देश भी तेल और गैस का धंधा कर रहे हैं। ऐसे वैश्विक परिदृश्य में अमरीका अकेला पड़ता जा रहा है। ऐसे में भाारत को लेकर ट्रंप निश्चित तौर पर जल्द ही भारत के प्रति अपने बोल बदलेगें।

पेयजल की कमी से मचेगा हाहाकार

संजीव ठाकुर

सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है सपृथ्वी की सतह का लगभग 70ः भाग जल से आच्छादित है सपृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97ः समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है सअतः मात्र 3ः जल ही पीने के योग्य है,इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुष्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है। यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी-बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतरराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया,

अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होगें तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार-तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध दवद-हवअमतदउमदजंस ऑगेनाईजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है। वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रेरित अंधाधुंध विकास की दौड़ में जल स्त्रोतों को प्रदूषित कर मानव समाज ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। बढ़ती जनसंख्या भी वैश्विक जल संकट का एक बड़ा कारण है। यदि जनसंख्या की वृद्धि की रफ्तार से होती रही तो अगले दशक में वैश्विक जनसंख्या में वृद्धि की दर से 25ः जनसंख्या को प्रयोग जितना ही पानी उपलब्ध हो पाएगा। यह भयानक जल संकट तथा वैश्विक खतरे की ओर इंगित करता है। वैश्विक स्तर पर जल विवाद लगातार होते रहते हैं मध्य एशिया में कैस्पियन सागर के जल बंटवारे संबंधी विवाद का समाधान तटवर्ती देशों द्वारा संधि के माध्यम से किया गया है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी जटिल होती जा रही है देश की जनसंख्या तो विश्व की जनसंख्या का लगभग 17.5ः है, लेकिन ताजे जल की उपलब्धता 1ः से भी कम है। राजस्थान में स्थिति जल संकट की बड़ी भयावह है वहां जल की उपलब्धता 1ः से भी बहुत नीचे जल संकट वहां की नियति बन गई है। 2040 तक भारत के तीन चौथाई शहरों को जल संकट से जूझना होगा। अब हमारा दायित्व तथा कर्तव्य होगा कि समाज को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें एवं जल संरक्षण से संबंधित विधि तथा तकनीक से परिचित कराएं एवं उसका समुचित उपयोग करें। व्यक्ति स्वयं जल का संरक्षण करें तथा दूसरों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें ताकि हम आने वाले कल के लिए जल संकट रूपी विकराल एवं जनता हर समस्या का सामना आसानी से कर पाएं। जल संकट के महाविनाश से यदि बचना है तो जल संरक्षण हर नागरिक को एक कर्तव्य की तरह करना होगा।

जमानत नामंजूर, न्याय टल गया

टी नवीन

पाँच साल के लंबे इंतजार के बाद, उमर खालिद की जमानत याचिका आखिरकार सुनवाई के लिए आई, लेकिन एक बार फिर खारिज कर दी गई। विडंबना यह है कि उनके खिलाफ लगाया गया अपराध हिंसा का कृत्य नहीं, बल्कि असहमति में उनकी भागीदारी हैकृभेदभावपूर्ण नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के खिलाफ उनका रुख। देश भर के मानवाधिकार निकायों और नागरिक समाज द्वारा व्यापक रूप से आलोचना किए गए इन कघनूनों को धार्मिक भेदभाव को संस्थागत रूप देने वाला माना गया, जिससे लाखों लोगोंकृखासकर मुसलमानोंकृकी नागरिकता छिनने का खघ्तरा पैदा हो गया। फिर भी, अंतरात्मा की आवाज माने जाने के बजाय, उमर खालिद को एक साजिशकर्ता करार दिया गया और कठोर गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत जेल में डाल दिया गया। उमर खालिद इस भाग्य में अकेले नहीं थे। उनके साथ, अन्य छात्र और सामुदायिक कार्यकर्ता,शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा, खालिद सैफी, अतहर खान, मोहम्मद सलीम, शिफा-उर-रहमान, मीरान हैदर और शादाब अहमदकृपर भी यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया था। सभी पर 2020 के दिल्ली दंगों को भड़काने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। उनका कथित अपराध कई भाषणों और विरोध प्रदर्शनों से उनका जुड़ाव था। उदाहरण के लिए, शरजील इमाम पर मुसलमानों से अनिश्चितकालीन चक्का जाम के माध्यम से पूर्वोत्तर को शेष भारत से ष्काटनेष् का आग्रह करने का आरोप लगाया गया था। उमर खालिद को अमरावती में दिए गए एक भाषण से जोड़ा गया था, जहाँ उन्होंने सीएएध्एनआरसी की मंडराती छाया में मुसलमानों की दुर्दशा के बारे में बात की थी और बड़े पैमाने पर लामबंदी का आह्वान किया था। मीरान हैदर, खालिद सैफी, गुलफिशा फातिमा और शिफा-उर-रहमान जैसे अन्य लोगों का संबंध दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान दिए गए भाषणों से था, जिनमें सीएएध्एनआरसी, बाबरी मस्जिद के विध्वंस, तीन तलाक के अपराधीकरण और कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का जिक्र था। पुलिस ने दावा किया कि ये बयान मुसलमानों में डर और गुस्सा पैदा करने के लिए थे, जिससे अशांति फैल रही थी।

जबकि इन युवा कार्यकताओं को जेल में डाल दिया गया, अंतहीन कानूनी लड़ाइयों में उलझाया गया और उनकी स्वतंत्रता छीन ली गई, वहीं सत्तारूढ़ दल के नेता, जिन्होंने खुलेआम भड़काऊ भाषण दिए थे, बिना किसी को छुए बच निकले। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने नारा लगायारू ष्देश के गद्दारों को, गोली मारो सालों कोष्। भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा के दौरान तीन दिन का अल्टीमेटम जारी करते हुए चेतावनी दी कि अगर प्रदर्शनकारियों ने सड़कें खाली नहीं कीं, तो उनके समर्थक मामले को अपने हाथ में ले लेंगे। दोनों बयानों ने निस्संदेह जनता की भावनाओं को भड़काया और दिल्ली दंगों से पहले के आवेशपूर्ण माहौल में योगदान दिया। फिर भी, उनके खिलाफ कभी भी तुलनात्मक गंभीरता की कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। यह विरोधाभास भारत की न्याय व्यवस्था के मूल में एक खतरनाक विरोधाभास को उजागर करता हैरू जहाँ असहमति जताने वालों को अपराधी बनाकर आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत जेल में डाल दिया जाता है, वहीं सत्ता में बैठे लोग खुलेआम भड़काऊ बयान देने के बावजूद बेखौफ घूमते हैं। इस प्रकार, उमर खालिद की जमानत से इनकार न केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी, बल्कि एक गहरे लोकतांत्रिक संकट को भी दशार्ता है। कानून के क्रियान्वयन में घोर असमानता स्पष्ट है। एक ओर, उमर खालिद जैसे छात्र और सामुदायिक कार्यकर्ता एक भेदभावपूर्ण कानून की आलोचना करने वाले भाषण देने के लिए वर्षों तक सलाखों के पीछे रहते हैं। दूसरी ओर, सत्ताधारी दल के नेता, जिन्होंने भड़काऊ नारे लगाए या अल्टीमेटम जारी किए, खुलेआम घूमते हैं, उनके राजनीतिक करियर पर कोई असर नहीं पड़ता। यह दोहरी न्याय व्यवस्था युवा नागरिकों को बताती है कि कानून सभी के साथ समान व्यवहार नहीं करताय बल्कि, यह इस बात पर निर्भर करता है कि सत्ता किसके हाथ में है। असहमति को अब अपराध माना जाता है। सीएए,एनआरसी के खिलाफ आवाज उठानाकृएक ऐसा कृत्य जो पूरी तरह से विरोध करने के लोकतांत्रिक अधिकार के अंतर्गत आना चाहिएकृको आतंकवाद करार दिया गया है। आतंकवाद के वास्तविक खतरों से निपटने के लिए बनाए गए एक असाधारण कानून, यूएपीए के माध्यम से, राज्य ने असहमति को ही अपराध बना दिया है। यह परिवर्तन एक गहरा बदलाव दशार्ता हैरू राज्य जितना अधिक आलोचना से डरता है, उतना ही अधिक वह इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में पुनर्परिभाषित करने का प्रयास करता है। यह न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास को कमजोर करता है, बल्कि नागरिक और राज्य के बीच की सीमा को भी पुनर्परिभाषित करता है। उमर खालिद और अन्य लोगों के लिए, यही प्रक्रिया सजा बन गई है। बिना मुकदमे के पाँच साल की कैद, जिसके बाद जमानत से इनकार, दशार्ता है कि कैसे यूएपीए लोगों को अनिश्चित काल तक जेल में रखने के लिए बनाया गया है। निर्दोषता की धारणा, जो न्याय की आधारशिला है, निरर्थक हो जाती है।

देवभूमि और दानवी हसरतें

देवभूमि में हाल की अभूतपूर्व त्रासदी ने हमें आत्ममंथन को बाध्य किया कि हमें पहाड़ों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। यह भी कि संसार में कुछ स्थान आध्यात्मिक व धार्मिक निमित्त ही होते हैं। जब उसे देवभूमि कहते हैं तो उसे देवी-देवताओं के लिये संवारना भी जरूरी है। उसी के अनुरूप कारोबार, बाजार व व्यवहार की व्यवस्था होनी चाहिए। होटल हों या रिट्रीट सेंटर- उस संस्कृति के अनुरूप ही बनें। सारी दुनिया में विभिन्न धर्मावलंबियों ने ऐसा ही किया है। उदाहरण के लिये वेटीकन सिटी को लें तो उसका परिवेश एक आध्यात्मिक नगरी के रूप में तैयार किया गया है। इसी तरह मक्का-मदीना को देखिए वहां पर लोग सिर्फ धार्मिक कार्यों के लिये ही जाते हैं। वहां सीमेंट फैक्ट्री, लिकर या क्लब का लाइसेंस मांगने कोई नहीं जाता। इतना सब कुछ होने के बावजूद एक रिच इंडस्टी की आधारभूमि भी बनी हुई है वेटीकन सिटी। आम आदमी सोचता है कि कहां आ गया मैं स्वर्ग में। हमारा हिमाचल बहुत ज्यादा बड़ा नहीं है, लेकिन विकृत व्यावसायिक पर्यटन ने इसके मूल-स्वरूप से खिलवाड़ किया है। जिसकी अनुमति पहाड़ का परिवेश नहीं देता है। देवभूमि, विशेषकर इसके पहाड़ी इलाके सिर्फ अध्यात्म की राजधानी बनने योग्य ही हैं। अब मनाली को ही लें, करीब चार हजार होटल हमने बना दिए हैं। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि चार हजार होटल बनाने के लिये प्राकृतिक व्यवस्था का कितना अतिक्रमण किया गया होगा। कहने को कोई कह सकता है कि ये मेरी जमीन है। लेकिन जब होटल बनाओगे तो मिट्टी की स्थिति बदलेगी और पेड़ काटे जाएंगे। पहाड़ का स्ट्रक्चर हिलेगा। एक पहाड़ की संवेदनशील स्थिति में चार हजार होटल होना एक बड़ा नंबर है। वहीं दूसरी तरफ दया का तर्क है कि प्राकृतिक आपदा से होटल उद्योग ठप हो गया है। उनसे जुड़े बीस-तीस हजार लोगों की रोजी-रोटी का संकट है। लेकिन सवाल पर्यटकों के पहाड़ की संस्कृति के विरुद्ध आचरण का भी है। उसका व्यवहार सीखा-सिखाया तो नहीं होता जो पहाड की कल्चर व मयार्दा के अनुरूप हो। कुछ दिन मौज-मस्ती के लिये आया व्यक्ति प्रकृति के मूल व्यवहार में हस्तक्षेप तो करता है लेकिन आपदा के वक्त खिसक लेता है। जैसा कि हम मानते हैं कि देवभूमि है तो देवता है... तो जब हमारा आचरण प्रकृति के विरुद्ध होता है तो देवता की भी किसी बात पर नाराजगी तो हो सकती है। जो किसी बड़ी परेशानी का कारण बन सकता है। हमें एक सांकेतिक कथा सुनायी जाती है- शिवजी द्वारा गणेश जी को उद्दंडता का दंड देने की। यह महज एक सांकेतिक कथा है। कोई पिता अपने पुत्र के साथ ऐसा नहीं कर सकते, खासकर देव तो बिल्कुल नहीं। सांकेतिक निहितार्थ यह हैं कि कोई भी मयार्दा से परे जाएगा तो फिर उसका नुकसान होगा ही। कमोबेश यह स्थिति हिमाचल और उत्तराखंड की है। ऐसी स्थिति हरिद्वार-ऋषिकेश से लेकर चारधाम तक की है। ये देवभूमि देवताओं की भूमि। इस 140 करोड़ के पूरे देश में इन दोनों राज्यों के पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की आबादी एक करोड़ के आसपास होगी। एक जैसे ही चार-पांच पहाड़ होंगे। इस पूरे इलाके को स्प्रीचुअल राजधानी को डेडिकेट कर दिया जाए। इसके विपरीत यदि अन्य कार्य होंगे तो नुकसान होगा। यहां समृद्ध मिनरल का खजाना है। प्राकृतिक खेती हो सकती है। हर्ब्स जीविका का आधार बन सकते हैं। उसके अनुरूप जीवन से ही ये पहाड़ संरक्षित रहेंगे। यहां पब व डिस्को कल्चर अवॉइड किया जाना चाहिए। अब देखिए चंडीगढ़ इतना सुंदर सिटी है। इसे आप डांस की सिटी बना दें। यूथ की सिटी बना दें। ऐसे में देवी-देवताओं के स्थान को डिस्को का केंद्र बनाने की कोई सेंस नहीं बनती। आगे मयार्दा की बात करें और पीछे से विलासिता, तो यह नहीं चलेगा। आम आदमी सरकार सारा दोष सरकार को दे देता है। उसने ये नहीं किया, वो नहीं किया। फिर यह राजनीति का मुद्दा बन जाता है। लेकिन हमने पहाड़ की अस्मिता को बचाने के लिये क्या किया... पहाड़ों में विकास के गणित की विडंबना देखिए कि हमने कथित विकास में हजार करोड़ का इनवेस्टमेंट किया और चार हजार करोड़ का नुकसान हो गया। तो ये कैसा विकास हुआ... कुदरत का संदेश यही है कि जो जगह आपने मंदिर को दे दी, उस जगह में कॉमर्शियल बिल्डिंग मत बनाओ।

हिमाचल व उत्तराखंड देवभूमि कही जाती हैं। बसों में लिखा भी होता है कि देवभूमि में आपका स्वागत है। लेकिन पहाड़ों में लौकिक समृद्धि से जुड़ी चीजें करना विकास नहीं हो सकता। सेंसिबल बात करें। ऊजाओं के साथ बात करें। एक तरफ हम देवभूमि की बात करें और दूसरे तरफ विकृति मौज-मस्ती की। स्प्रीचुअल राजधानी के विचार का बहुत बड़ा दायरा है। हमारे सामने हेल्थ टूरिज्म का विकल्प है। बशर्ते प्रकृति के अगेंस्ट न हों। स्प्रीचुअल कंस्ट्रक्शन प्लानिंग से भी किया जा सकता है। इसे कायदे से करने की जरूरत होगी। संवेदनशील पहाड़ों में सीमेंट फैक्ट्री बन रही हैं। किसी ने नहीं सोचा कि खनन व प्रदूषण आदि अन्य प्रक्रियाओं से प्रकृति को कितना नुकसान हुआ होगा। किसी को आइडिया नहीं कि पहाड़ की जड़ें कहां हैं, कहां नहीं और इसके दरकने का कोई समाधान नहीं है। पानी कहां से आ रहा है, कहां जा रहा। कुछ जगहों को ऐसी रहने दें जो आधुनिकता व विकास की विसंगतियों से दूर रह सकें। दुनिया में कई जगहें ऐसी हैं, जो सिर्फ और सिर्फ अध्यात्म व धर्म की जगहें हैं।

इस रिपोर्ट ने केंद्र और राज्यों के मंत्रियों में मचा दिया हड़कंप

रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के 40 फीसदी मंत्री आपराधिक केस में फंसे हुए हैं। चाहे वो मारधाड़ से जुड़ा हो। तमाम तरह के मामले उन पर चल रहे हैं। उसके बाद इस बिल और फिर रिपोर्ट को जोड़कर देखा जा रहा है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या अब आपराधिक मामलों में फंसे देश के 40 फीसदी मंत्री-नेता को उनके पद से हटा दिया जाएगा। क्या उनका इस्तीफा ले लिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी और सरकार एक संशोधन बिल लेकर आई है, जिसके तहत संसद में ये बिल बेश किया गया। अगर कोई नेता, मंत्री, प्रधानमंत्री तक 30 दिन से ज्यादा जेल में रहता है तो उसे या तो इस्तीफा देना पड़ेगा या फिर खुद ही अपना पद छोड़कर जाना पड़ेगा। ऐसे में एक रिपोर्ट को लेकर देश के नेताओं में हड़कंप मचा है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के 40 फीसदी मंत्री आपराधिक केस में फंसे हुए हैं। चाहे वो मारधाड़ से जुड़ा हो। तमाम तरह के मामले उन पर चल रहे हैं। उसके बाद इस बिल और फिर रिपोर्ट को जोड़कर देखा जा रहा है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या अब आपराधिक मामलों में फंसे देश के 40 फीसदी मंत्री-नेता को उनके पद से हटा दिया जाएगा। क्या उनका इस्तीफा ले लिया जाएगा। एडीआर की रिपोर्ट में क्या खुलासा हुआ है ? चुनाव सुधार संस्था 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि देश भर के 302 मंत्री (करीब 47%) खुद पर आपराधिक केस होने की बात स्वीकार कर चुके हैं। इनमें 174 मंत्री ऐसे हैं, जिन पर हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। वहीं, केंद्र सरकार के 72 मंत्रियों में से 29 (40%) ने आपराधिक केस होने की बात मानी है। एडीआर ने 27 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के कुल 643 मंत्रियों के शपथ पत्रों का विश्लेषण किया। एडीआर ने यह भी कहा कि जिन शपथ पत्रों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है, वे 2020 से 2025 के बीच चुनावों के दौरान दाखिल हुए थे। इन मामलों की स्थिति बदल भी सकती है। केंद्र सरकार ने हाल ही में एक प्रस्ताव रखा था, जिसमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक मामलों में 30 दिन की गिरफ्तारी के बाद पद से हटाने की बात कही गई थी। इसके कुछ दिन बाद यह रिपोर्ट सामने आई है। किस पार्टी के कितने मंत्रियों पर आपराधिक केस भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 (40%) पर आपराधिक केस हैं। वहीं 88 (26%) पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस के 61 मंत्रियों में से 45 (74%) पर केस हैं, 18 (30%) पर गंभीर आरोप हैं। डीएमके के 31 में से 27 (87%) मंत्री आरोपी हैं, 14 (45%) पर गंभीर केस हैं। टीएमसी के 40 में से 13 (33%) पर केस हैं, 8 (20%) पर गंभीर आरोप हैं। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के 23 में से 22 (96%) मंत्री आरोपी हैं, 13 (57%) पर गंभीर केस हैं। आम आदमी पार्टी के 16 में से 11 (69%) मंत्री आरोपी हैं, 5(31%) पर गंभीर आरोप हैं। दागी नेताओं में कौन सा राज्य टॉप पर आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्री आपराधिक मामलों में आरोपी हैं। वहीं, दूसरी ओर हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, नागालैंड और उत्तराखंड के किसी भी मंत्री पर कोई आपराधिक केस दर्ज नहीं है। मंत्रियों की संपत्ति का विश्लेषण 643 मंत्रियों की कुल संपत्ति 23,929 करोड़ है। औसतन हर मंत्री के पास 37.21 करोड़ रुपए की संपत्ति है। 30 में से 11 विधानसभाओं में अरबपति मंत्री हैं। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 8 अरबपति मंत्री हैं, आंध्र प्रदेश में 6 और महाराष्ट्र में 4 हैं। केंद्र सरकार में 72 मंत्रियों में से 6 मंत्री (8%) अरबपति हैं। पाटीर्वार अरबपति मंत्री भाजपा के 14 मंत्री अरबपति हैं (कुल का 4%)। कांग्रेस के 11 मंत्री अरबपति हैं (कुल का 18%)। टीडीपी के 6 मंत्री अरबपति हैं (कुल का 26%)। आम आदमी पार्टी, जनसेना पार्टी, जेडीएस, एनसीपी और शिवसेना के भी अरबपति मंत्री हैं देश के सबसे अमीर मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी (टीडीपी, आंध्र प्रदेश) -5,705 करोड़की संपत्ति। डीके शिवकुमार (कांग्रेस, कर्नाटक) -1,413 करोड़। एन. चंद्रबाबू नायडू (टीडीपी, आंध्र प्रदेश) -931 करोड़। अन्य अमीर मंत्रीः नारायण पोंगुरु, नारा लोकेश (आंध्र प्रदेश), गड्डम विवेकानंद, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी (तेलंगाना), सुरेशा बीएस (कर्नाटक), मंगल प्रभात लोढ़ा (महाराष्ट्र), ज्योतिरादित्य सिंधिया (केंद्र)। सबसे कम संपत्तिः शुक्ला चरण नोआतिया (आईपीएफडी, त्रिपुरा) 2 लाख। विभार्हा हांसदा (टीएमसी, पश्चिम बंगाल)-3 लाख से कुछ अधिक है।

मुख्य कोच गंभीर से शिवम दुबे को मिली प्रेरणा, बताया एशिया कप से पहले गौतम ने कैसे किया प्रेरित

दुबई : शिवम दुबे ने 2024 टी20 विश्व कप में भारत को मिली खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी और अब वह एशिया कप में भी अपना प्रभाव छोड़ने के लिए उत्सुक होंगे। उन्होंने बताया कि गंभीर ने किस तरह टीम के सदस्यों को प्रेरित किया। भारतीय टीम ने एशिया कप के लिए तैयारी शुरू कर दी है और टीम खिताब के बचाव के लिए तैयार है। भारत ने शुक्रवार को अपने पहले नेट सीजन में हिस्सा लिया। टीम के अनुभवी ऑलराउंडर शिवम दुबे ने बताया कि इस टूनामेंट से पहले उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर से प्रेरणा मिली। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरूआत 10 सितंबर से करेगा। एशिया कप में प्रभाव छोड़ने के लिए उत्सुक होंगे शिवम शिवम दुबे ने 2024 टी20 विश्व कप में भारत को मिली खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी और अब वह एशिया कप में भी अपना प्रभाव छोड़ने के लिए उत्सुक होंगे। उन्होंने बताया कि गंभीर ने किस तरह टीम के सदस्यों को प्रेरित किया।

बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रही पाकिस्तानी सिंगर पर भालू ने किया हमला, तंबू में सोते समय नोचे दोनो हाथ

पाकिस्तानी सिंगर कुरतुलैन बलूच इन दिनों बाढ़ पीड़ितों की मदद करने को लेकर काफी चर्चा में थीं, लेकिन इसी बीच उन पर हमला हो गया। इस हमले से आहत कुरतुलैन ने अपना दर्द सोशल मीडिया पर बयां किया है और साथ ही सोशल मीडिया पर उनकी घायल अवस्था की एक तस्वीर शेयर भी वायरल हो रही है। दरअसल, कुरतुलैन बलूच इन दिनों बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित बाल्टिस्तान के सुदूर गांवों में व्यापक आपदा प्रतिक्रिया सेवाओं (सीडीआरएस) के साथ मिलकर बाढ़ राहत कार्यों में मदद कर रही थीं, लेकिन इसी बीच सोते समय एक भालू ने उन पर हमला कर दिया। कुरतुलैन की टीम ने शनिवार को एक ऑफिशियल बयान जारी कर लिखा, 4 सितंबर 2025 की रात को जब वह अपने तंबू में सो रही थीं, तो उन पर एक भूरे भालू ने हमला कर दिया। सीडीआरएस टीम ने तुरंत भालू को भगाने की कोशिश की और वह भाग भी गया लेकिन उनके दोनों हाथों में चोट आई हैं। बयान में आगे लिखा गया- कुरतुलैन को तुरंत नजदीकी चिकित्सा सुविधा ले जाया गया। अब उनकी हालत खतरे से बाहर है। डॉक्टरों ने बताया है कि उनकी हालत स्थिर है। शुक्र है कि उन्हें कोई फ्रैक्चर नहीं हुआ है और वह अपने घावों से उबर रही हैं। सिंगर की टीम ने कहा कि कुरतुलैन को आराम की जरूरत है और उनके ठीक होने तक उनके सभी इवेंट पोस्टपोन कर दिए गए हैं, आप सभी उनके लिए प्रार्थना करें। सामने आई फोटो में देखा जा सकता है कि, कुरातुलैन घायल अवस्था में बैड पर लेटी हैं। उनके दोनों हाथ जख्मी हैं और दोनों हाथों पर पट्टी बंधी हुई है। बता दें, सिंगर कुरातुलैन ने 2011 में रेशमा के गाने अंखियां नू रेन दे के कवर से अपने करियर की शुरूआत की थी। उन्हें फवाद खान और माहिरा खान स्टारर पाकिस्तानी नाटक हमसफर में के गाने के लिए प्रसिद्धि मिली। इसके अलावा, उन्होंने 2016 में हिंदी फिल्म पिंक से कारी कारी में भी अपनी आवाज दी थी, जिसमें अमिताभ बच्चन, तापसी पन्नू, कीर्ति कुल्हारी, एंड्रिया तारियांग, अंगद बेदी, तुषार पांडे, पीयूष मिश्रा और धृतिमान चटर्जी अहम रोल में नजर आए थे।

'मैं खुशकिस्मत हूं', शाहिद कपूर ने पत्नी मीरा राजपूत को दी जन्मदिन की बधाई; लिखा प्यारा नोट

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत का आज जन्मदिन है। इस खास मौके पर शाहिद ने मीरा के साथ कई रोमांटिक तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही एक प्यारा नोट भी लिखा। बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत का आज जन्मदिन है। इस खास मौके पर शाहिद ने मीरा को जन्मदिन की मुबारकबाद देते हुए बताया कि वह उन्हें पाकर कितने खुशकिस्मत हैं। शाहिद का पोस्ट शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर पत्नी मीरा राजपूत की कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही कैप्शन में लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो मेरे प्यार। तुम मुझे पूरा करती हो।

भगवान ने तुम्हें खुशियों की एक छोटी सी पोटली में लपेटकर मेरे लिए बचा लिया। और मैं खुशकिस्मत हूं कि तुम जिंदगी भर के लिए मेरे साथ हो। खुश रहो, स्वस्थ रहो, हर मौके पर खुद को जाहिर करो... हर तरह से जो तुम्हें पसंद हो... तुम्हारी चमक हर उस चीज में भर जाए जिसे तुम छुओ।'

राशि खन्ना ने खत्म की तेलुसु कडा की शूटिंग, बोलीं- इस सफर में साथ रहने वाली टीम का शुक्रिया

राशि खन्ना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म तेलुसु कडा से चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने इस फिल्म की शूटिंग खत्म कर ली है, जिसकी जानकारी उन्होंने एक पोस्ट के जरिए दी है। सिद्धू जोनालागड्डा और राशि खन्ना की आगामी फिल्म 'तेलुस कडा' की शूटिंग अब खत्म हो चुकी है। इसकी जानकारी एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया के जरिए दी है और सभी क्रू सदस्यों को धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं। शूटिंग सेट से शेयर की तस्वीरें राशि खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो अपनी आगामी फिल्म 'तेलुसु कडा' की शूटिंग करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने पांच तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वो अलग-अलग अंदाज में दिख रही हैं। साथ ही वह सीन समझकर उसे परफॉर्म करती नजर आ रही हैं और उसमें कैमरा, लाइट्स और एक्शन तीनों का संगम दिख रहा है। क्र सदस्यों का किया धन्यवाद पोस्ट के कैप्शन में राशि खन्ना ने लिखा, 'कुछ कहानियां कैमरे बंद होने के बाद यूं ही खत्म नहीं हो जातीं, 'तेलुसु काडा' उनमें से एक है। प्यार, नुकसान और इन सबके बीच की हर चीज का सफर को आज मैं खत्म करती हूं। इस सफर में मेरे साथ चलने वाली सबसे बेहतरीन टीम का हमेशा आभारी रहूंगी। आप सभी के इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है, जिसे हमने बनाया है। आप सभी एक रोमांचक सफर के लिए तैयार रहें।' तेलुसु कडा फिल्म के बारे में 'तेलुसु काडा' फिल्म में सिद्धू जोनालागड्डा के साथ-साथ राशि खन्ना और श्रीनिधि शेट्टी भी अहम रोल निभाती हुई नजर आएंगी। फिल्म की कहानी की बात करें तो इस फिल्म में परिवार, दोस्ती, आत्म-प्रेम, त्याग समेत कई सामाजिक पहलुओं पर बात होगी। इसका निर्देशन नीरजा कोना द्वारा किया जा रहा है। साथ ही फिल्म की एडिटिंग श्रीकर प्रसाद द्वारा किया गया है। 'तेलुसु काडा' में संगीतकार थमन की धुनें सुनने को मिलेंगी।

बॉबी देओल और सान्या मल्होत्रा स्टारर बंदर, टीआईएफएफ में बन सकती है अनुराग कश्यप की सबसे विवादित फिल्म

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल से सीधे आ रही है चर्चा कि मशहूर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप की नई डायरेक्टोरियल वेंचर बंदर, जिसे सुधीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखा है और जिसमें बॉबी देओल व सान्या मल्होत्रा मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, ने काफी हलचल मचा दी है। इस खुलासे के साथ फिल्म का प्रीमियर 50वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ। इस फिल्म को टीआईएफएफ में इस साल अनुराग कश्यप की सबसे रॉ, हार्ड-हिटिंग और विवादित फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म ने न सिर्फ अपने मैसेजिंग से दर्शकों को असहज किया बल्कि कानून द्वारा पुरुषों के प्रति निष्पक्ष व्यवहार पर भी सवाल खड़े किए। इस फिल्म में बॉबी देओल का ऐसा अवतार देखने को मिला है, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। क्रिटिक्स बॉबी की पूरी तरह से हुई इस ट्रांसफॉर्मेशन की तारीफ कर रहे हैं और मानते हैं कि यह उनके करियर की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस में से एक हो सकती है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा भी एक अहम भूमिका में नजर आती हैं और उन्होंने दिल छू लेने वाला प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपने किरदार को गहरी सच्चाई और मजबूती के साथ निभाया है, जो इस ईंटेंस ड्रामा में उनकी मौजूदगी को सही ठहराता है। वहीं, सबा आजाद एक युवा, निडर महिला का किरदार निभा रही हैं और उसे स्क्रीन पर बेहद प्रामाणिकता के साथ उतारा है। सपना पब्बी इस फिल्म में एक ऐसी खुलासा करने वाली भूमिका में हैं, जिसके बारे में अभी बात करना फिल्म के रहस्य को बिगाड़ना होगा।

एक्टर और प्रोड्यूसर निखिल द्विवेदी, जिन्होंने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है, उन्होंने एक बार फिर ह्वीरे दी वेडिंगह्व और सीटीआरएल के बाद बिल्कुल अलग और अनूठी कहानियों को बैक करने की अपनी पहचान बनाए रखी है

गणपति विसर्जन के बाद अक्षय कुमार ने जुहू चौपाटी पर की सफाई, महाराष्ट्र के सीएम की पत्नी संग मिलकर उठाया कचरा

महाराष्ट्र में हर साल गणेशोत्सव की खूब धूम देखने को मिलती है। आम लोगों से लेकर सेलिब्रेटीज तक धूमधाम से बप्पा को घरों में विराजमान करते हैं और फिर ढोल नगाड़ों के साथ नाचते-गाते उनका विसर्जन भी करते हैं। वहीं, अब हाल ही में गणेश विसर्जन के बाद बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी और बीएमसी कमिश्नर

के साथ सफाई अभियान चलाया, जहां से उनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अक्षय कुमार ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी के साथ मिलकर गणेश विसर्जन के बाद चौपाटी पर पड़े कचरे और अवशेषों को इकट्ठा किया और थैलों में भरा। न्यूज एजेंसी से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा-ज्ञान हमें सिखाता है कि स्वच्छता बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। हमारे प्रधानमंत्री भी हमेशा यही कहते हैं कि सफाई सिर्फ सरकार या बीएमसी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनता की भी है। अक्षय का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स की खूब प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। अधिकतर यूजर्स एक्टर के इस कदम को दिखावा बता रहे हैं।

बता दें, हाल ही में अक्षय कुमार ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के हाथ आगे बढ़ाया था। राहत सामग्री के लिए उन्होंने 5 करोड़ रुपये दान किए थे। इसे लेकर एक्टर ने कहा था-जब भी मदद का मौका मिलता है, मैं खुद को खुशनसीब मानता हूं। मेरे लिए यह मेरी सेवा है, मेरा छोटा-सा योगदान है।

मनीष पॉल ने सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के गाने बिजुरिया के बीटीएस में दिखाया सरदार लुक

अभिनेता मनीष पॉल ने अपने फैन्स को एक खास तोहफा दिया है। उन्होंने आने वाली फिल्म सनी संकरी की तुलसी कुमारी के बहुचर्चित गाने बिजुरिया के शूट से बिहाइंड द सीन्स झलकियां साझा की हैं। यह धमाकेदार ट्रैक पहले ही दर्शकों के दिलों में जगह बना चुका है। सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा यह गाना अपनी एनर्जेटिक बीट्स और मस्ती भरे मूड से सबका दिल जीत रहा है। मनीष अपनी पहचान वाली चार्म और जबरदस्त एनर्जी के साथ गाने में जान डाल देते हैं, जिससे बिजुरिया एक सच्चा भीड़ खींचने वाला नंबर बन गया है। बीटीएस वीडियो में मनीष का एक रंग-बिरंगा सरदार लुक भी नजर आता है, जिसने फैन्स को और ज्यादा एक्साइटेड कर दिया है। उनका यह नया और मजेदार अंदाज गाने में ताजगी का तड़का लगाता है। फुटेज में शूटिंग के दौरान सेट पर छाया मजा, मेहनत और पॉजिटिव वाइब्स साफ दिखाई देती हैं। हर फ्रेम में मनीष की मौजूदगी रौनक बढ़ा देती है। फैन्स भी उनकी मिमिवतजसमे परफॉर्मेंस और गाने की हाई-वोल्टेज अपील की जमकर तारीफ कर रहे हैं। बिजुरिया की लोकप्रियता के साथ-साथ सनी संकरी की तुलसी कुमारी को लेकर दर्शकों का उत्साह भी लगातार बढ़ रहा है। फिल्म दर्शकों को संगीत, रंग, मस्ती और मनीष का अनोखा जादू देने का वादा कर रही है।

गुलाबी सावरिया का टीजर हुआ रिलीज, दिव्या खोसला ने एक चतुर नार के नए गाने में बिखेरा देसी अंदाज

टी-सीरीज ने अपनी आने वाली कॉमेडी थ्रिलर एक चतुर नार के गाने ह्यगुलाबी

सावरियाह्ण का टीजर लॉन्च कर दिया है। यह एक रंगीन और जोशीला डांस नंबर है, जिसमें दिव्या खोसला अपनी अदाओं और एनर्जी से दर्शकों का दिल जीतती नजर आ रही हैं। गाने में देसी बीट्स, जबरदस्त जोश और होली के रंग-बिरंगे दृश्य इसे और भी आकर्षक बना देते हैं। यह ट्रैक एक दमदार टीम का मेल है कृ संगीत अभिजीत श्रीवास्तव का, स्वर सचेत टंडन और शिल्पा राव के, और बोल शायरा अपूर्वा ने लिखे हैं। कर्णप्रिय धुनों और त्योहारी रंगत से सजा गुलाबी सावरिया, फिल्म के एल्बम का सबसे खास गाना बनने का वादा करता है।

सुगम यात्रा के लिए सेवा सुधार पर ध्यान दे रही एयर इंडिया; कैंपबेल विल्सन ने नई पहल की दी जानकारी

नई दिल्ली : अहमदाबाद में हुए भीषण हादसे के बाद से एअर इंडिया के विमानों में तकनीकी खामियों की कई खबरें सामने आई हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा और उड़ाने में देरी के सवाल खड़े हुए हैं। इन सबको लेकर अब विमानन कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने सफाई दी है। हालिया घटनाओं को लेकर उठ रहे सवालों पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा है कि समूह के विशाल पैमाने पर विमानन सेवाओं के संचालन को देखते हुए इन घटनाओं की दर सामान्य है। विल्सन ने कहा कि एयर इंडिया समूह हर रोज 1,200 से अधिक उड़ानों का संचालन करता है। इतने बड़े पैमाने पर जब संचालन होता है तो स्वाभाविक रूप से कुछ घटनाएं सामने आती हैं। परंतु इन्हें सामान्य संदर्भ में देखा जाना चाहिए। आगे उन्होंने जोर देकर कहा कि कंपनी ने अब पहले से अधिक पारदर्शिता के साथ घटनाओं की रिपोर्टिंग करना शुरू कर दिया है, जिससे कि लंबे समय के लिए यात्रियों का भरोसा मजबूत किया जा सके। आगे उन्होंने यात्रियों की शिकायतों को लेकर एक नई पहल के बारे में भी बताया।

अमेरिका में 300 दक्षिण कोरियाई नागरिक हिरासत में; हवाई द्वीप से आज टकराएगा चक्रवाती तूफान किको

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को भारत द्वारा रूसी तेल खरीद से संबंधित गलत सूचना फैलाने के आरोपों के बाद कथित सुधार को लेकर नाराजगी जताई। नवारो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखे सामुदायिक नोट को कचरा बताते हुए आरोप लगाया कि एलन मस्क दुष्प्रचार को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि भारत केवल मुनाफा कमाने के लिए रूस से तेल खरीदता है। नवारो ने पोस्ट में मस्क को टैग कर लिखा, 'वाह एलन मस्क लोगों की पोस्ट में दुष्प्रचार को जगह दे रहे हैं। नीचे दिया गया घटिया नोट भी सचमुच कचरा है। भारत रूस से तेल सिर्फ मुनाफाखोरी के लिए खरीदता है। रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले भारत ने कभी तेल नहीं खरीदा। भारत सरकार की स्पिन मशीन तेजी से आगे बढ़ रही है। यूक्रेनियों को मारना बंद करो। अमेरिकियों की नौकरियां छीनना बंद करो।' ग्रीस में प्रधानमंत्री ने व्यापक कर कटौती का एलान किया यूरोपीय देश ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोताकिस ने 1.6 अरब यूरो (1.87 अरब डॉलर) के कर कटौती पैकेज की घोषणा की, जिससे लगभग 40 लाख नागरिकों को लाभ होगा। थेसालोनिकी अंतर्राष्ट्रीय मेले में अपने भाषण में उन्होंने बताया कि कर कटौती 2026 के बजट में लागू होगी। इसमें मध्यवर्ग, युवा, बड़े परिवार और पेंशनभोगियों को राहत दी जाएगी। 25 वर्ष से कम आयु वालों की 20,000 यूरो तक की आय पर कर नहीं लगेगा। छोटे द्वीपों के निवासियों को 30% कम वैट देना होगा। उद्देश्य आय बढ़ाना और जनसांख्यिकीय संकट से निपटना है। विपक्ष ने विरोध प्रदर्शन किए। मैक्सिको में ईंधन चोरीः नौसेना अधिकारी समेत कई उद्योगपति गिरफ्तार अमेरिका की सरहद पर बसे देश मैक्सिको में ईंधन चोरी का मामला लगातार चर्चा में है। इस मामले में वरिष्ठ नौसेना अधिकारी वाइस एडमिरल मैनुअल रोबर्टो फारियास लागुना को कई उद्योगपतियों और अधिकारियों के साथ गिरफ्तार किया गया। मार्च में टाम्पिको बंदरगाह पर 1 करोड़ लीटर ईंधन जब्त होने के बाद जांच शुरू हुई थी। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम के तहत यह अब तक की सबसे बड़ी गिरफ्तारी है। ईंधन चोरी से सरकारी तेल कंपनी पेमेक्स को पांच साल में 3.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। अमेरिकी एजेंसियों के अनुसार, मैक्सिकन कार्टेल चोरी के ईंधन से अपने मादक पदार्थ कारोबार को वित्त पोषित करते हैं। जांच जारी है। हत्यारोपी गुटिरेज दक्षिण सूडान से मैक्सिको निर्वासित, मानवाधिकार समूहों ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया पूर्वी अफ्रीकी देश दक्षिण सूडान ने मैक्सिकन नागरिक जीसस म्यूनोज-गुटिरेज को मैक्सिको प्रत्यर्पित कर दिया। गुटिरेज को जुलाई में अमेरिका से निर्वासित किया गया था। आठ लोगों के समूह में शामिल गुटिरेज को अमेरिका से निर्वासन के बाद दक्षिण सूडान में हिरासत में रखा गया था। ताजा घटनाक्रम में देश के विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रत्यर्पण मैक्सिकन दूतावास (इथियोपिया) के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय कानून और द्विपक्षीय समझौतों के तहत किया गया। अमेरिका में गुटिरेज को हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। मानवाधिकार समूहों ने तीसरे देश में निर्वासन को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। सड़क किनारे बम धमाके में कैमरून के सात सैनिक बलिदान मध्य अफ्रीकी देश कैमरून के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में सड़क किनारे बम धमाके में सात सैनिक मारे गए। स्थानीय समय के मुताबिक हमला शुक्रवार सुबह मालेंडे कस्बे के पास हुआ। अंग्रेजीभाषी अलगाववादी संगठन फाको यूनिटी वॉरियर्स ने हमले की जिम्मेदारी ली। गौरतलब है कि करीब आठ साल पहले यानी 2017 से ही देश के अलगाववादी फ्रेंच-भाषी बहुमत से अलग स्वतंत्र अंग्रेजीभाषी राज्य की मांग कर रहे हैं। अब तक 6,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। छह लाख से ज्यादा लोग विस्थापित भी हो चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय समूह के आगाह करने के बावजूद संघर्ष जारी है। विशेषज्ञों ने कहा कि केवल सैन्य कार्रवाई से समाधान संभव नहीं, बल्कि स्थायी शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता और वार्ता जरूरी है। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में तीसरी बार बंद की इंटरनेट सेवा पाकिस्तान में अधिकारियों ने जन सुरक्षा और मौजूदा सुरक्षा खतरों का हवाला देते हुए बलूचिस्तान के कई जिलों में 3जी और 4जी मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को फिर निलंबित कर दिया है। द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, यह अस्थायी बंद 5 सितंबर की शाम 5 बजे शुरू हुआ। अधिसूचना के मुताबिक यह निलंबन मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति और प्रांत में धार्मिक जुलूसों की उपस्थिति के कारण है। यह उपाय क्वेटा, मस्तुंग, समेत कई जिलों में लागू किया जा रहा है। जॉर्जिया : आव्रजन छापे के बाद 475 लोगों को हिरासत में लिया अमेरिका के जॉर्जिया स्थित विशाल निर्माण स्थल पर सैकड़ों संघीय एजेंटों ने छापे मारकर 475 लोगों को हिरासत में लिया। इनमें से अधिकांश दक्षिण कोरियाई नागरिक थे। आव्रजन अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यह स्थल कोरियाई वाहन निमार्ता हुंडई ने इलेक्ट्रिक वाहन बनाने के लिए बनाया है। होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन्स के प्रमुख जॉर्जिया एजेंट स्टीवन श्रैंक ने कहा कि यह छापा उस स्थल पर अवैध रूप से काम पर रखने के आरोपों की महीनों तक चली जांच के बाद पड़ा। 1979 की क्रांति के पीड़ितों की कब्र ईरान में पार्किंग में तब्दील ईरान की 1979 की इस्लामी क्रांति का विशाल बेहेश्त-ए-जहरा कब्रिस्तान पार्किंग स्थल बनता जा रहा है। यहां क्रांतिकारियों के अवशेष संभवतः डामर के नीचे रखे जाएंगे। अधिकारियों ने पार्किंग बनाने के हालिया फैसले को स्वीकार किया है, लेकिन वहां दफन लोगों के बारे में विस्तार से नहीं बताया है। संयुक्त राष्ट्र के एक विशेष दूत ने ईरान की ओर से कब्रिस्तानों को नष्ट करने को ऐसे डाटा को छिपाने या मिटाने का प्रयास बताया था, जो कानूनी जवाबदेही से बचने के लिए संभावित सबूत के रूप में काम कर सकते हैं। गाजा विस्थापन पर नेतन्याहू की मिस्र कतर ने की निंदा इस्राइली बीएम बेंजामिन नेतन्याहू के गाजा में फलस्तीनियों के विस्थापन संबंधी बयान पर इस्लामी देशों में गुस्सा देखा जा रहा है। मिस्र और कतर ने नेतन्याहू के उस बयान की तीखी निंदा की है जिसमें कहा गया था कि गाजा पुनर्निर्माण की कई योजनाएं हैं और आबादी का आधा हिस्सा गाजा छोड़ना चाहता है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि मैं राफा क्रॉसिंग खोल सकता हूं, लेकिन मिस्र इसे तुरंत बंद कर देगा। मिस्र और कतर ने कहा, इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ेगा। पुतिन ने वैज्ञानिकों से किया रॉकेट इंजन बनाने का आग्रह राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एयरोस्पेस उद्योग से अंतरिक्ष प्रक्षेपण वाहनों के लिए बूस्टर रॉकेट इंजन विकसित करने का आग्रह किया है। उन्होंने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अग्रणी के रूप में रूस की दीर्घकालिक प्रतिष्ठा को और मजबूत करने के प्रयासों को आगे बढ़ाने का भी अनुरोध किया। पुतिन ने कहा, बूस्टर रॉकेट के इंजनों के संदर्भ में उत्पादन क्षमता का लगातार नवीनीकरण करना महत्वपूर्ण है। पुतिन ने पिछला सप्ताह चीन और रूस के सुदूर पूर्वी बंदरगाह व्लादिवोस्तोक में बिताया। सिडनी के पास शार्क ने समुद्र तट पर जा रहे व्यक्ति को मार डाला ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के पास एक समुद्र तट पर एक शार्क ने 50 साल के एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर मार डाला। इसके बाद इलाके के समुद्र तटों को बंद कर दिया गया। ड्रोन से शार्क की तलाश जारी है। लॉन्ग रीफ बीच पर आपातकालीन दल भेजे गए। मृतक की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। 1963 के बाद से यह शार्क का पहला घातक शार्क हमला था। अमेरिका में 300 दक्षिण कोरियाई नागरिक हिरासत में सियोल में विदेश मंत्री ने शनिवार को बताया कि दक्षिणी अमेरिकी राज्य जॉर्जिया में बन रहे हुंडई-एलजी बैटरी प्लांट पर अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों द्वारा की गई छापेमारी में 300 से ज्यादा दक्षिण कोरियाई नागरिकों सहित 475 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि एलाबेल शहर में गुरुवार को की गई कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रव्यापी प्रवासी-विरोधी अभियान के तहत अब तक की सबसे बड़ी छापेमारी थी। छापेमारी की फुटेज में हिरासत में लिए गए मजदूरों को हथकड़ी और पैरों में जंजीरों के साथ एक कैदी परिवहन बस में चढ़ाते हुए दिखाया गया है। हवाई द्वीप की तरफ बढ़ा तूफान किको चक्रवाती तूफान किको हवाई द्वीप की तरफ बढ़ रहा है। यह श्रेणी-4 का तूफान है। ऐसे में खतरे को देखते हुए हवाई द्वीप में आपात स्थिति लागू कर दी गई है। अमेरिकी मीडिया की रिपोट्र्स के अनुसार, चक्रवाती तूफान किको 130 मील प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाई द्वीप की तरफ बढ़ रहा है और रविवार को इसके हवाई द्वीप के तटों से टकराने की आशंका है। लोगों को तटों से दूर रहने की सलाह दी गई है और साथ ही समुद्र में लोगों के जाने पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। तूफान के चलते होने वाले नुकसान से निपटने के लिए आपात सेवाओं को अलर्ट पर रखा गया है। मौसम सेवाओं का कहना है कि हवाई द्वीप के बिग द्वीप पर टकराने तक तूफान किको कमजोर हो सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से मौसम हुआ खुशनुमा, लोगों को उमस से मिली राहत

मौसम विभाग ने पहले ही दिल्ली-एनसीआर में हल्की बारिश की संभावना जताई थी। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में बारिश हो रही है। जिससे मौसम खुशनुमा हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में रविवार दोपहर में बारिश देखने को मिली। जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। इससे पहले सुबह से अच्छी धूप खिली थी। दोपहर होते-होते आसमान में बादल छा गए और तेज बारिश होने लगी। मौसम विभाग ने पहले ही दिल्ली एनसीआर में हल्की बारिश की संभावना जताई थी। वहीं, शनिवार को ज्यादातर इलाकों में सुबह से ही तेज धूप खिली रही। इससे लोगों को उमस भरी गर्मी का अहसास हुआ। दोपहर के समय कुछ इलाकों में घने बादल आने के बाद कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो-तीन दिनों में अब तेज बारिश के आसार नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को मयूर विहार में 15, रिज में 5.7 और लोधी रोड में बारिश ट्रेस की गई। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य के साथ 34.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का स्तर 92 से 66 फीसदी रहा। वहीं, मौसम विभाग ने रविवार के लिए भी हल्की स्तर की वर्षा होने की संभावना जताई थी। इस दौरान आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद जताई थी।

अनुतिन चर्नवीराकुल बने थाईलैंड के नए प्रधानमंत्री, विपक्ष का भी मिला साथ; कैबिनेट में किए बड़े बदलाव

अनुतिन चर्नवीराकुल को शाही मंजूरी के साथ थाईलैंड का नया प्रधानमंत्री बनाया गया। उन्होंने चार महीने में संसद भंग कर नए संविधान पर जनमत संग्रह कराने का वादा किया। इसके साथ ही उन्होंने मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव करते हुए नई सरकार में वित्त, ऊर्जा और विदेश मंत्रालय के प्रमुख पदों पर नेताओं की नियुक्ती भी की। थाईलैंड के अनुभवी राजनीतिज्ञ अनुतिन चर्नवीराकुल को रविवार को देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शाही मंजूरी मिल गई। यह नियुक्ति दो दिन बाद हुई जब संसद ने उन्हें प्रधानमंत्री चुना था। अनुतिन ने अपने पूर्ववर्ती को हटाने वाले अदालत के आदेश के बाद यह पद संभाला है। वे थाईलैंड के तीसरे प्रधानमंत्री बने हैं पिछले दो वर्षों में, जो 2023 के आम चुनावों के बाद हुए हैं। पैटोंगटर्न को पड़ोसी देश कंबोडिया के सीनेट अध्यक्ष हुन सेन से एक विवादित फोन कॉल के चलते दोषी पाया गया था। यह कॉल जुलाई में दोनों देशों के बीच हुए पांच दिन के सशस्त्र संघर्ष से पहले हुई थी, जिसने पूरे क्षेत्र में युद्ध के खतरे को बढ़ा दिया था। देश में गांजे को अपराध से मुक्त कराने के लिए प्रसिद्ध अनुतिन ने पहले पैटोंगटर्न शिनावात्रा की जगह ली है। पैटोंगटर्न को पिछले सप्ताह नैतिकता के उल्लंघन के कारण हटाया गया था। शपथ के बाद क्या बोले अनुतिन? प्रधानमंत्री पद का शपथ लेने के बाद अनुतिन ने अपना काम ईमानदारी से पूरा करने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मैं अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाने का संकल्प करता हूं। सदन में शुक्रवार को उन्हें मुख्य विपक्षी पार्टी पीपुल्स पार्टी का समर्थन मिला। इसके बदले में उन्होंने चार महीने के अंदर संसद भंग करने और एक चुनी हुई संविधान सभा द्वारा नए संविधान पर जनमत संग्रह कराने का वादा किया। अनुतिन ने नई सरकार में की महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को अनुतिन ने आर्थिक विशेषज्ञ एक्निति नितिथानप्रपस को वित्त मंत्री, ऊर्जा क्षेत्र के अनुभवी ऑट्टापोल रेरकपीबून को ऊर्जा मंत्री और कूटनीति के जानकार सिहासक फुआंगकेतकेओ को विदेश मंत्री बनाया। उन्होंने कहा कि ये तीनों अपने-अपने क्षेत्र के अनुभवी और योग्य नेता हैं। बता दें कि एक्निति पहले वित्त मंत्रालय में काम कर चुके हैं और केंद्रीय बैंक के गवर्नर बनने के लिए भी विचार किए गए थे। ऑट्टापोल थाईलैंड की सबसे बड़ी सरकारी ऊर्जा कंपनी पीटीटी ग्रुप के पूर्व प्रमुख हैं। सिहासक, जो विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव रह चुके हैं, जुलाई में कंबोडिया के साथ हुए हिंसक सीमा संघर्ष के बाद की नाजुक स्थिति में वापस आ रहे हैं। उस संघर्ष में कम से कम 43 लोगों की मौत हुई थी। शाही मंजूरी के बाद होगी आधिकारिक घोषणा हालांकि इन नियुक्तियों को तब तक आधिकारिक माना जाएगा जब तक उन्हें शाही मंजूरी नहीं मिल जाती। ये नियुक्तियां अनुतिन के प्रधानमंत्री बनने के एक दिन बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने प्रमुख विपक्षी पार्टी फ्यू थाई के चैकासेम नितिसिरी को हराया, जो पूर्व प्रधानमंत्री थक्सिन शिनावात्रा की पार्टी का हिस्सा हैं। पैटोंगटर्न के मंत्रिमंडल में उप प्रधानमंत्री थे अनुतिन थाईलैंड के नए प्रधानमंत्री बने अनुतिन पहले पैटोंगटर्न की कैबिनेट में उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री थे, लेकिन फोन कॉल के समाचार के बाद उन्होंने पद छोड़ा और अपनी पार्टी भुमजैताई को उनकी गठबंधन सरकार से बाहर कर लिया। उन्होंने बैंकॉक में अपनी पार्टी के मुख्यालय में आयोजित समारोह में पद ग्रहण किया, जहां कई वरिष्ठ नेताओं ने श्वेत रंग के नागरिक अधिकारी की पोशाक पहनी थी, जो शाही और सरकारी समारोहों के लिए होती है।

रूस ने कीव पर दागे 800 ड्रोन, मिसाइल हमले के बाद कैबिनेट भवन से धुआं उठता देखा गया; दो की मौत

यूक्रेन की राजधानी पर रूस के ड्रोन और मिसाइल हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। हमलों में दर्जनों लोगों के घायल होने की खबर है। बताया गया कि बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले के बाद कीव के कैबिनेट भवन की छत से धुएं का गुबार उठता देखा। विस्तार रूस ने रविवार रात यूक्रेन पर 805 ड्रोन और हथियारों से हमला किया। यह जंग की शुरूआत से अब तक का सबसे बड़ा हमला है। यूक्रेनी वायु सेना के प्रवक्ता यूरी इहनाट ने इसकी पुष्टि की कि रविवार का हमला रूस का सबसे बड़ा ड्रोन हमला था। रूस ने अलग-अलग तरह की खतरनाक 13 मिसाइलें भी दागीं। वायु सेना के एक बयान के मुताबिक, यूक्रेन ने 747 ड्रोन और चार मिसाइलों को मार गिराया। यूक्रेन में 37 स्थानों पर हमले हुए। इससे पहले बताया गया कि रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। इस दौरान एक प्रमुख सरकारी इमारत की छत से धुआं उठता दिखाई दिया। लोगों ने कीव के कैबिनेट भवन की छत से धुएं का गुबार उठता देखा, लेकिन यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या यह धुआं सीधे हमले का नतीजा था। रूस अब तक शहर के केंद्र में सरकारी इमारतों को निशाना बनाने से बचता रहा है। दो लोग मारे गए और 15 घायल यह इमारत यूक्रेन के मंत्रिमंडल का मुख्यालय है, जहां उसके मंत्रियों के कार्यालय स्थित हैं। दमकल गाड़ियों और एम्बुलेंस के पहुंचने पर पुलिस ने इमारत में प्रवेश बंद कर दिया। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि हमले में दो लोग मारे गए और 15 घायल हुए।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पुतिन के प्रस्ताव को खारिज किया, मॉस्को में बैठक से किया इनकार

हाल ही में पुतिन ने कहा था कि वह जेलेंस्की से मिलने के लिए तैयार हैं, लेकिन यह बैठक मॉस्को में होनी चाहिए। शुक्रवार को, रूसी सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने स्पष्ट किया कि जेलेंस्की को रूसी राजधानी मॉस्को में आत्मसमर्पण करने के लिए नहीं बल्कि बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बैठक के बाद उम्मीद बंधी थी कि रूस-यूक्रेन के बीच जल्द युद्धविराम हो सकता है, लेकिन अब यह उम्मीद धूमिल होती नजर आ रही है। दरअसल अलास्का बैठक के बाद पुतिन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को मॉस्को में बैठक करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे अब यूक्रेनी राष्ट्रपति ने खारिज कर दिया है। जेलेंस्की ने मॉस्को के बजाय कीव में बैठक की मांग की है।

भूकंप में मलबे तले दबीं अफगानी महिलाएं, तालिबान की धार्मिक पाबंदियों ने छीन ली मदद की उम्मीद

कोने में इकट्ठा कर, हमें भुला दिया गया...., अफगानिस्तान में आए विनाशकारी भूकंप ने महिलाओं की पीड़ा को और गहरा कर दिया। तालिबान की सख्त धार्मिक पाबंदियों के चलते घायल महिलाएं मदद के इंतजार में तड़पती रहीं। 36 घंटे तक कोई राहत नहीं मिली। न महिला डॉक्टर थीं, न बचावकर्मी। कई महिलाएं मलबे तले दम तोड़ गईं, कई बस इंतजार करती रहीं। अफगानिस्तान में बीते दिनों आए भूंकप ने हजारों लोगों के जीवन को तबाह कर दिया। इस आपदा के चलते देशभर में मातम का माहौल है। दूसरी तरफ गौर करने वाली बात ये है कि इस तबाही में सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना महिलाओं को करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट की माने तो तालिबान की सख्त सांस्कृतिक और धार्मिक पाबंदियों के कारण महिलाओं तक राहत पहुंचाना लगभग नामुमकिन हो गया है। भूकंप के 36 घंटे बाद भी एक भी महिला को मदद नहीं मिली। तालिबान की 'दूसरे पुरुषों से सपंर्क न करने की' सख्त हिदायत के कारण पुरुष बचावकर्मी महिलाओं की मदद तक नहीं कर पा रहे हैं, चाहे उनकी जान खतरे में हो। इससे कई घायल महिलाएं मलबे के नीचे फंसी रह गईं और उन्हें समय पर इलाज नहीं मिल सका। फलस्वरूप कुछ ने अपना दम तोड़ दिया तो कुछ संघर्ष करती रहीं। 19 साल की आयशा ने बताता कैसा था भयावह मंजर इस आपदा में संघर्ष कर रहीं महिलाओं में कुनार प्रांत के अंदरलुकक गांव की रहने वाली 19 वर्षीय आयशा ने भूकंप के बाद चीख पूकार करते उस भयावह मंजर को याद किया। आयशा ने बताया कि कैसे इस भयावह आपदा के समय महिलाओं को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने बताया कि हम महिलाओं को एक कोने में इकट्ठा कर दिया गया और भुला दिया गया। मदद के लिए कोई नहीं आया, किसी ने पूछा तक नहीं कि हमें क्या चाहिए। इतना ही नहीं तालिबान के सख्त शासक ने महिलाओं को चिकित्सा शिक्षा और सार्वजनिक कामों में हिस्सा लेने से भी रोक रखा है। इसलिए महिला डॉक्टरों और बचावकर्मियों की भारी कमी रही, खासकर ग्रामीण इलाकों में। यह महिलाओं के लिए और भी बड़ी मुसीबत बन गया है। पुरुष स्वयंसेवक ताजिबुल्लाह ने क्या कहा? वहीं इसके बारे में एक पुरुष स्वयंसेवक 33 साल के ताजिबुल्लाह मुहाजेब ने बताया कि मलबे के नीचे फंसी महिलाओं को निकालने में उनके मेडिकल टीम के पुरुष सदस्य हिचकिचाते थे। उन्होंने कहा कि महिलाएं जैसे अदृश्य थीं। मुहाजेब ने बताया कि इस दौरान पुरुषों और बच्चों का इलाज पहले होता था, जबकि महिलाएं दूर बैठकर मदद के इंतजार में थीं। धार्मिक पाबंदिया महिलाओं के लिए बनी जी का जंजाल इन धार्मिक पाबंदियों के चलते अगर किसी महिला के साथ कोई पुरुष रिश्तेदार मौजूद नहीं था, तो बचावकर्मी बिना छुए उनके कपड़ों से शव को बाहर निकालते थे। यह सख्त नियम महिलाओं की मदद में भारी बाधा बन रहा है। संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन की विशेष प्रतिनिधि सुसान फर्ग्यूसन ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों को फिर से इस आपदा का सबसे बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। उनकी जरूरतों को राहत और पुनर्निर्माण के केंद्र में रखना होगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।